www.sandhyahalchalnews.com

अंक : 69

वर्ष : 21

P- 12 > मिश्रित स्पर्धा में मेरा जोड़ीदार कैसा प्रदर्शन करता है, इससे प्रभावित न

आवाज आवाम की

साध्य हलचल

प्रातः संस्करण, हिन्दी दैनिक

लखनऊ, मंगलबार, 23 मार्च 2021, पृष्ठ : 12 मूल्य : 2.00 रुपया

P- 12 ► ਗਿਲੇਗ **ਬਟ**ਰ

22 वें दीक्षांत समारोह का राज्यपाल ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

सांध्य इलचल ख्यूरो

कानपुर। सीएसए ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में बुलाधिपति: राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 22 में दीशांत समारोह का कार्यऋम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मेधावियाँ को 57 पदक दिए गए वसूल 643 शात शाताओं को उपाधियां प्रदान की गई।उपशिषां और मेहल पाकर शत-सत्राएं सुम उठे। पदक पाने के मामले में इस बार छात्रों को पीछे छोदते हुए छात्राओं ने बाबी मारी 54,39 फोसदी छात्राएं और 45.61 फ़ीसदी छात्रों को पदक मिले। राज्यशल आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष द्वी राजीय कुमार, विशिष्ट अतिथि प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री लाखन सिंड राजपूत, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. द्धी.आर. सिंह ने मेधावियों को चदक दिए। इस अन्नसर पर 14 जात्र शराओं को बुलाधिपति स्वर्ग पदक, 14 सत्र संज्ञाओं को विश्वविद्यालय रजा पदक, 14 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कस्य पदक तथा 15

विश्व जल दिवस पर सभी को जल संरक्षण के लिए दिलाया संकल्प



प्रायोजित स्वर्ण पदक दिए गए। इस दीरान पीएचडी डिग्री भारकों की तस्वीर कुलाभिपति एवं अतिभियों के साथ शी गई। परास्तातक में सर्वोच्च अंक पाने वाले 17 विद्यार्थियों को पुस्तक पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर एक से अधिक पदक 6 छात्र छात्राओं को मिले। जिसमें शैल्जी वर्मा को तीन पदक, अपिता सोनी तीन पदक, प्रियंका सिंह दो पदक, पदम कुमार मीर्य दो पदक, कंचन देवी दो पदक द्वं राजशेखर डिनेटी को दो पदक दिए गए। इस अवसर पर नीति आधीग के उपाध्यक्ष

द्धे राजीय कुमार को कुलाधिपति ने मानद उपाधि से विभूषित किया गया तान्यपाल/कुलाधिपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए जैव संवधित गांव अनुपपुर के प्राथमिक विद्यालय के 25 छात्र-छात्राओं को पुस्तकें, दिलिया, पेन, पल एवं बैंग आदि भेंट किए गए। इस अवसर पर सर्वप्रवम कुलाधिपति एवं अतिथियों ने दीप प्रश्वलित कर कार्यक्रम की तुरुआत की। सर्व प्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय को प्रगति आख्वा प्रस्तुत बढ़ै। तथा लिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारों के बारे में लिस्तार से जानकारों दी। इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीय कुमार ने सभी पदक व उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को मुध्वराज्याद हो, उन्होंने गुणवता कुछ कृषि उत्पाद के लिए प्राकृतिक खेती पर बल दिया। तथा कहा कि मृद्य में जीवांश कार्यन बढ़ाने तथा कृषि लागत को कम करने के लिए प्राकृतिक खेती एक विकल्प है हम अवसर पर राज्यपाल आनंदीयेन पटेल ने सभी उपाधि धारकों को बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। तथा कड़ा कि अपने मां-बाप का सम्मान व आदर अवस्य करें इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 57 पदकों में 31 पदक छात्राओं द्वारा प्राप्त किए गए हैं जो महिला सत्तक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि उल्ला तिथा के प्रति नगी शक्ति का स्वान ग्रेजी से बद रहा है तथा 15 प्रायोजित रजत घटकों में से 8 पदक छात्राओं द्वारा प्राप्त किए गए हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज विश्व जल दिवस है अत: सभी लोगों को जल संरक्षण के लिए संकल्प लेना है कि हमें पानी को क्वांद होने से रोकना है। और भविष्य के लिए जल संरक्षित किया जा सके।

कुलपति ने दिये दीक्षोपदेश, 57 पदक व 647 उपाधिया वाटी

कानपुर, 22 मार्च। चंद्ररोखर आताद कृषि एवं ग्रीसोशिक विश्वविद्यालय के 22वें दीवाना समारोह में राज्यपाल आनदीबेन पटेल ने कहाकि बेटिया पहाई कर पटक पा रही है और बेटे काफी पिछड़ रहे हैं। उन्होंने बेटे-बेटियों के बोच बढ़ते असतुलन पर चिंता जाहिर करते हुए कुलपति से स्टडी कर रातों के लिए मुक्पिए बड़ाने के निर्देत दिये। पढ़ाई में माता-पिता की दिक्षतों को न भूलने को सलाह हो। राज्यपाल ने मेधावी शैल्वी वर्मा को कलाधिपति स्वर्ण, राथ साहय गजीधर लाल मेमोरियल स्वर्ण, अक्षपवर सिंह सेमोरियल स्वर्ण सहित 3 पटक व उपाधिया प्रदान की। अर्पिता मोनी को तीन पटक, प्रियंका सिंह, पावन कुमार मीर्थ और कंचन देखें को दो-दो पदक और उपधियां प्रदान की मधी। दीक्षाना समारोह में मेधानियों को 57 पटक टिये और 647 उपाधिया वितरित को गयी। 14 छातों को कुलाधिपति

स्वर्ण, 14 छात्रों को विधि रजत और 14 छानों को विधि कास्य पटक दिये गये। 15 प्रायोजित पदक भी दिवे गये। सोमबार 10.45 बजे राज्यपाल, कुलपति के साथ वभागाध्यको की शोभायाता केत्तारा भवन के सगाभार में पहुंची और वहां स्थागत गीत इसके बाद सीएसए के कुलपित डा. आर. मिंग ने प्रगति आख्य रिपोर्ट पेश



पुस्तक का विमोचन करती राज्यपाल व अन्य।



मीएसए : उतरीय उद्यालती छात्राएं।

प्राकृतिक खेती अपनाकर बनेगा कृषि प्रधान देश

को जिसमें नई रिसर्च के साथ एकेडमिक और अन्य कार्यों पर प्रकाश दल्ला। मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीय कुमार ने कहाकि प्राकृतिक कृषि आधारित आयोग गठन होगा, जिससे मिट्टी की उप्रेंग्क शक्ति की जांच के साथ आकड़े एका किये जायेंगे। वर्षा जल को संचीयत कर हमे आगे बढ़ना होगा। सरकार 800 बलाक में एक प्राकृतिक माडल प्रस्तुत करें। कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह ने अपने किसानों को तकनोकि खेती पर बल दिया गांकि पेदाबार बढ़ सके। कुलपति न सभी उपाधि धारकी को दीक्षोपदेश दिये

अनुप्पुर गांव के प्राइमरी स्कूल के बच्चों को बैग्स व फल भी दिये। इससे पहले उपाध्यक्ष राजीव कुमार को मानद उपधि प्रदान की गई। राज्यपाल ने पांच पुस्तकों का विमोधन किया गया। इससे पहले राज्यपाल, मुख्य अतिथि य मंत्रों ने दीप प्रज्ञवितित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दीएन निदेशक शोध डा. एवं जी. प्रकाश, डा. डी.आर. सिंह, डा खलीत खान, विवि के कुलसचिव व अन्य अधिकारी आदि मौजूद रहे। का संधालन हा चौजाद खान और हा स्थेता ने किया। समाग्रेह का समापन सहगान से हुआ।



स्टार्टअप से बनायेगी कैरियर

कानपुर। सीएसए के दोक्षान्त समारोह मे मेपाची ग्रीस्थी वर्मा (बीएमसी कृषि)का कलाधिपति स्वर्ण महित 3 पदक मिलन पर काफी खुश है। यह स्टार्टअप ज्ञस करगी। आगरा निवासी पिता एस. के वर्मा और मा विनाता गृहणी है।



योगदान देने की मंशा

कानप्र। दीखाना मे मेधावी पारुल पटेल (बीएससी कृषि) अपना वैकिंग शेत में केरियर बनायेगी। अंबेडकर नगर निवासी पिता रण विजय पटल और मां राजकुमारी है। बेटी की कामपाधी पर माता-पिता काफो गदगद है।

बर्ग दो कि रहने वाला स्मृति

(पाइनामधल कट्टाल) मे

कर कास्य पटक हासिल

किया। बताया पिता दोपक

74.55 प्रतिज्ञत अक तामिल

दोक्षित ने एमधीए

बन्याः इंजीनिक और माता अर्चना गृहणी है।

क्लीन बनाया कि क्रियाकों के श्वाहणमेंट और

ख्द के हान नैयार किए नोट्म ही सबसे ज्यादा

काप आए। किनाबों से कम जॉनलाइन आरा

पहाई करती थी। जिससे फाइनेलियन संबंधित

चीत ज्यादा जानकारी विस्तरी है। जब एमबीए के

अपने को पड़ाने के लिए प्रोफेसा बनना चारती हूं।



पर्यावरण क्षेत्र में कार्य करना चाहता है मधावी

कानपुर। सीएसए के दीशान समारोह मे च्चियंका सिंह (बॉएसस्व कृषि) को पदक मिलने पा परिजन काफो खुश है। बिहार के औरगाबाद निवासी राम अनुज सिंह राजनीति क्षेत्र में वरिष्ठ नेता है। यह खद भी पर्याचरण क्षेत्र में जुड़कर कार्य करना चाहती है।



रिसर्च क्षेत्र मं काय करेगी

कानपुर। दोशाना समारोह में मिल्लका जायसवाल को कलाधिपति स्वर्ण पदक मिलने पर काफी खुश है। वह वैज्ञानिक चनना चाहती है। बलरामपुर निवासी अभिपेक चंद्र मेडिकल स्टोर संचालक है और घर में मां पुनम है।



और माता वसुधा जातान गृहणी है। इनोने बनाय कि लोकदारम में पहाई करने का असल मौका मिन गया। कमाओं के अलाव अपने नोट्स भी ठेवार करती थी जिससे तैयारी करने में आसानी रहती थी। संचयन से मेरा अर्थी में अफसर बनने का सचन है। में मोश्रेपस परीक्ष पास कर आभी में अफ़मर बनकर देश की संख्य करना चारती है।



स्कृती बच्चों के साव गञ्चपात व मुख्य अतिथि।



मीएसंजेएमयु : उत्तरीय उछाल कर खुशी जाहिर करती छालाएं।



पदक धारको के साध राज्यपाल, उपमुख्यमंत्री व अन्य।

前花的 2-

पाठ्यक्रम म

साब नई शिक्षा

नीति में टीचिंग,

मुल्यांकन में

परिवत न

गांव-गांव घूमे, बच्चों को पहुंचाए स्वृ

यूजी-पीजी में कुल 1487 को उपाधियां व 31 पीएचडी शामिल से बदलाव



शिक्ष प्राप्त करना

साधना है।

सार्टीफिकेट प्राप्त कर देश को अपनी सेवा देनी चाहिये। नई शिक्षा नीति में पाठधकम में बदलाव टोचिंग मेथर्ड, ट्रेनिंग के साथ विविध गतिविधियों के साथ मानवता का निर्माण होना चाहिया। उन्होंने कहाकि यूपी में 40 से 45 हजार डिगी कालेजेज हैं। सभी को एक-एक गांव गोद लेकर आगनवाडियों कायाकल्प करना चाहिये। एनएसएस, एनसोसी के छात गांव-स्टडी और मूल्यांकन गांव जाये और बच्चों को आंगनबाड़ी-स्कूल में पहुंचाये। राज्यपाल ने मेधावी अकित गुप्ता को कुलाधिपति स्वर्ण सहित चार पदक, शैलजा जायसवाल को कुलाधिपति रजत सहित चार पदक व डपाधियां प्रदान की गयी। समारोह में 57 मेधावियों को

88 पदक वितरित किये। समारोह में 31 शोद्याधियों को पीएचडी के अलावा यूजी, पीजी में कुल 1487 उपाधियां वितरित की गयी। मुख्य अतिथि एम्स अधिकेश, निदेशक डा. रविकांत ने कहाँकि उच्च शिक्षा में उपाधि मिलने लर्निंग को निरन्तर बनाये रखना होगा। उन्होंने कुरुपति से कहांकि वर्ल्ड स्तर उच्च रहे। सचालन डा. अंशु पादव ने किया। दीखान्त का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

'क्रिकेट अंग्रेजों का खेल नहीं' पुस्तक लिख रहे क्रिकेट कमेंटेटर रवि चतुर्वेदी

कानपुर। सीएसजेएमयु में 83वर्षीय क्रिकेट कमेटेटर रवि चुतवेंदी ने बताया कि सन 1960 में हिन्दी में क्रिकेट कमेंटरी करने में मजाक उड़ने का भय लग रहा था, लेकिन भी हिन्दी कमेंटरी लोगों को पसंद आई। उनका कहना है कि दिल्ली विवि में प्रोफेसर व क्रिकेट से भी जुड़े रहे थे। पदमश्री

अवार्ड के बाद आज दीक्षान्त में फिजिकल एज्केशन में पीएचडी की डिग्री मिली है। उनका कहना है कि क्रिकेट अंग्रेजों का खेल नहीं नामक पुस्तक भी लिख रहे है।



ज्योति बाजपेयो, कोर्ति बाजपेयी, अफां रहमान, स्मृति दीक्षित, मृयरी जालान, अनुराग मणि तिपाटी प्रतिभा शुक्ला, मोनिका देखी, आदि शामिल है। इससे पहले राज्यपाल, मुख्य अतिथि, कुलसचिव, विभागाध्यक्ष सहित शिक्षकों को शोभायाता विवि के आडीटोरियम पहुंची और वहां वंदेमातरम गीत और दीप प्रजावलित कर दीशान्त का सुभारंभ हुआ। विवि के कुलपति डा डी.आर सिंह ने प्रगति आख्या प्रस्तुत की। विशिष्ट अतिथि नीलिमा कटियार ने कहा कि शिक्षा के खेन मेअमूल-चूल परिवर्तन आया है और अब राज्य और केंद्र सरकार आत्मनिभर भारत को ओर तेजी से बढ़ रही है। इससे पहले राज्यपाल ने स्कूली बच्चों को बैग्स व

फूट वितरित किये। इस दौरान विवि के कुलसचिव डा. अनिल कुमार यादव, डा. संदीप कुमार सिंह, डा. प्रवीण कटियार, डा. कमलेश यादव, डा. अखण्ड प्रताप सिंह, डा. सुनेश भदौरिया, विनय तियेदी, डा. सुधाशु राय, डा. सुनेश कटियार आदि मीजूद

कानपुर। दाजों के उत्साहमधेन और मनोबल को बढ़ाने के लिए ये जरूरी है कि पदान्नी, पदा विभूषण और भारत रव विजेताओं की जीवनी सभी छाने को पढ़ाई जाए। सोमजार को गञ्चापत्त ये कही। राज्यपाल ने कहा कि इस पाठ्यक्रम में 70 फीसदी केन्द्र सरकार और 30 फीसदी राज्य सरकार तय करेगी। हमें पट्यक्रम में पानी, पर्यावरण और ग्रंथों के बारे में पट्टाया जाना वाहिए। आगनबादी केन्द्र के बच्चों से लेकर बड़ी को सोखने को जरूरत है। 3 से 4 सालों में पाड्यकम बदलना धारिए और मिलेयम को पुनराजूनि से बचना होगा। नई पोड़ी को आन्द्रदी के बारे में बताना और पदाना चाहिए। इसमे आदिवामियों का भी योगदान खा है लेकिन इसका कड़ी उसेख नहीं किया जाता। हर समाह खत्रों को स्वतंत्रता संग्राम के एक आदोलन को जानकारों दो जाना चाहिय। एक्यपाट के इस जमाने में बच्चों का आईक्यू सार को बेहतर बताया।

भदोही

कानपुर, 22 मार्च। सीर्मानेएम विश्वविद्यालय के 35वें दीशाल समारीह के तिये एक स्मारिका पुष्टिका जारी की गरी। इस स्मारिका जे राष्ट्रपति रामनाथ कॉविंद से लेकर मृत्तपति स्ता के वचाई संदेश क्ष छात्रों को सुमकामनाएँ थे गयी है। इसून मुख्यमंत्रे के अदित्यनाथ के मध्ये मदेश को सर्तमन नहीं किया गया है। बता दें कि प्राप्त सामाओं को क्यां देने वाली में पहले राष्ट्रपति रामनाथ कोविद, उन्तरपूर्णन एम वैक्रिया जयह, गीएम सेंद्र मोदी, राज्यपाल जानंदीकेन पटेल, डिप्टी सीएम दिनेश शर्या, यूजीसी चेपापेन प्री धीरेट पाल सिंह, नैक निदेशक प्रे एससी शर्म, राज्यमती उच्च शिक्षा विद्वान एवं प्रीयोगिको नीलिमा करियार, रिशोकेस एम्स सीईओ प्रो रविकात के सदेश को जगह दी गये है। सीएम योगी ने छातों के लिये बचाई संदेश नहीं भिजवाया है। ऐसा नहना है कुलस्मीवय डी अनित कृमार बादव। कहा कि मुख्यमती कार्यालय से कोई यथ्या सदेश नहीं आया है। वहीं इस मो में जब रूपनेवी नीलिमा कटियार से बात को गयो तो उन्होंने चुच्ची साथ ली।

कानपुर। पीएचडी करने में अब आपको नौकरी पा कारोबार बाधा नहीं बनेगा। आप राजपर्त के अपने कामों के साथ-साथ अब पो.एच.डी भी कर सकेंगे। जल्द हो सीएसनेएम पूजिमीटी में इसकी गुरुआत की जस्मी। पर बात मोमका को उपमुख्यमंत्री व्य दिनेश शर्मा ने स्टेएसओएम पुनिवर्सिटी क 35वें दीवात समारोह में खत्रों को सम्बंधित करते हुए कही उप मुख्यमंत्री ने लात्रों से कहा कि यह दीक्षत समारोह नहीं बल्कि उस दिन की मुरूआत है, जब विश्वविद्यालय में आप द्वारा सीखो गयी बाते सस्पान तक पतुषाए। उन्होंने मराहर क्रिकेट कमेंटेटर रहे स्त्र चतुर्वेटी का उदाहरण दिया जिन्होंने 88 वर्ष की आपू में खेल के अनहुए पहलुओं पर इस बार पोएचडी को है। डिग्री कॉलेजों को परीक्षा को कम समय में कराने पर जोर दिया। सिलंबस अधूरा सने पर उसे प्रा कराने पर और दिया। ऐसा न हो पाने पर कराए गए सिलेबम के आधार पर ही परीक्षा लेने की बात कहीं

28 निजी विश्वविद्यालय खोलने की तैयारी, प्रक्रिया पूरी होते ही अनुमति

व गोरखपुर में वेटनरी विवि और मेरठ में स्पोर्टस विवि भी पाइप प्रदेश की राज्यपाल लाइन में आनंदीबेन पटेल ने कहा कि कृषि होत में पहाई कर

उपाधि पाने वाले छात-छातार अपने गांवों में जाये और महिलाओं को रोजगार से जोड़ कर उन्हें सहान्त बनाये। पिरुव जल दिवस पर चर्च काते हुए राज्यपाल ने कहा कि देश के 20 शहरों में भू-जनस्तर काफी गिर रहा है पहीं छल रहा तो आवानी वर्षों में पानी न्हीं विलेगा। पानी को नैतिकता, आक्रमा और आल्प के साथ जोड़े और नीटेपों को आपस में जीड़ कर चेकडेम बनाये और जीवित करें। वे आज सोएसए और सीएसजेएमपू के दीशन्त समारेंड को संबोधित कर रहे थी। दीधान्त सम्बरोह में राज्यपात ने मेधानियों को कुलाधियनि स्थानं, रजत और कांस्य पदक य तमाधियां प्रदान की। सीएसओएमप् के दोकाना में मुख्य अविधि उप मुख्यमंती दा. दिनेश शर्मा ने कर्ताक दोवाना में छातों को उन्होंच फितन कोई अंत नहीं, बलिक समय आगे बढ़ना होगा। डोएवी कालेज के अलट शोध को 50 लाख अनुदान स्वीकृत किया गया। उन्होंने नकलविहीन परीचा क साथ एडेड, राजकीय और किर साफ रावि चाले निजी कालेजी को भी परीक्षा केंद्र समाचा जावेगा, क्योंकि 80 फीसटी योगदान निजी कालेज वाली का है। उन्होंने कर्ताक प्रदेश 28 निजी



धेवरमैन राजीय कुमा र को मानद ज्याधि देती राज्यपान । विस्त्रविद्यालयो स्रोतने की योजन चल रही है और सभी प्रक्रिया पूर्ण होने पर अनुमति दे दो जायेगो। सहस्त्रपुर, अलीगद और आजमण्ड में राजकीय विशेष खोलने को तैयारी बल रही है। घटोती, गोरखपुर में बेटनरी विवि और मेरठ में स्पोर्टस विवि खोले आयेगा। साथ हो विवि को नैक रेकिंग के लिए प्रोत्साहित किया जा

का है तकि नो शिक्ष नीति में रिमर्च के माथ मुगावतापूर्व पढ़ाई हो सके। क्रिकेट कमेटटेर चीव चतुर्वेदी को पीर्चारी उसलि पर कपाई दी और हुउ

सीएसए व सीएसजेएमयू के दीक्षान्त में राज्यपाल ने बांटे पदक व 🗕 उपाधियां, पर छात्रों से प्रेरणा लेने

को कहा है। मुख्य अतिथि नीति आयोग के चेयरमैन राजीव कुमार ने क्वांकि सन 1967 में एक स्कूल में टीर के माध मुखातस्त क्षेत्र के बारे में जानकारी हुई और तब स्थितिया काफी विकरल थी। लेकिन 70 माली में किमानों, कृषि वैहानिकों ने करकी मेहनत को। इसित प्रचीन के साथ ही आज के दौर में 8 करोड़ टन खादाल उपलब्ध है और हम नियांत के कगार पर है। जलम्बर गिरने के साथ कई चुनीतियां खड़ी हुई है। कृषि लागत बड़ने मे किसानी पर जल का बोड़ बढ़ा है और अब हमें स्वे कृषि मोडल की जरूरत है। कृषि लागत कम करें और प्रकृतिक खेटी को अपनना होन तभी हम कृषि नियात देश के रूप में बन सकेंगे। इस दौरान कृषि गुज्यमंत्रे लाखन सिंह, इस शिक्षा मंत्री नोलिमा कटियार, जिराए अतिथि हा रिवकार, विशेष के कुलपति हा ही आर मिंह विधायक असम पाठक, महापीर प्रमिता पांडे, विधायक महेश क्रिवेटी, विधि कृतस्मीचम हा अनित कुमार यादव, दा नीशाद खान आदि मीजूद रहे।

्रीकानपुर विकास प्राधिकरण

एत्ट्रात सर्वसभाव को सृचित किया जाता है कि भूखण्ड मठ-65 ताक एन पी. योजना-। नारायनपुरचा फानपुर क्षेत्रफल 200 नर्गनज

सुनहरे भविष्य की कल्पनाओं में झूम उठे मेधावी



और कृषि

विश्वविद्यालय

में रही वीक्षांत

समारोह की



वीएसजेएमपू में स्टर्नपदक विजेताओं के साथ राज्यपात आनंदीबेन, डिप्टी सीएम हॉ. दिनेश शर्मा, पाज्यमंत्री नीतिमा कटियार, पटमधी हो. रहिकांत र कृतमन्ति।

राज्यपाल, डिप्टी सीएम और नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने बांटी डिग्रियां

सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

सीएसनेएमय् व सीएसए कृषि एवं प्रीक्रोगिको विवि में सोमवार को दीशांत समारोह की धूम रही। परंपरागत डंग से दोनों हो विवि में संकाय सदस्यों ने शोभा जुलूस निकाल कुलाधिपति व राज्यपाल आनंदी बेन पटेल को आसन ग्रहण कराया।

तरपञ्चात मेघावियों को मेडल व वसाधियां वितरित की गयीं। सीएसकेएमप् में मुख्य अतिथि प्रदेश के डिप्टी सीएम व उच्च शिक्षा मंत्री ही. दिनेश शर्मा रहे, जबकि सीएसए के समारोह के मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीय कुमार रहे। डॉ. राजीय कुमार की सीत्सए ने पीएचडी की मानद डिग्री से भी सम्मानित किया।

सीएसए के आयोजन में बतौर विशिष्ट अतिथि कृषि शिक्षा राज्य मंद्री लाखन सिंह राजपूत व सीएसजेएमयू में एम्स ऋषिकेश के निदेशक रीक्षकात व प्रदेश को उच्च शिक्षा राज्यमंत्री नीलिमा कटियार मान्मीतर हुई। बरोर कुलपटि दोनों से विस्वविधालय में दीसात भाषण कुलपति हों. डीअप सिंह ने दिया व विद्यार्थियों से अर्जित हान का उपयोग देश-समाज के भले के लिए करने का संकल्प दिलाया। पटक व उपाधियां पाने के बाद मेधावी बच्चे खुशी से ज्ञुम रहे वे व उनका उत्पाह भी देखते ही बन रहा था। सभी सुनहरे भक्तिय के सपनी

शिक्षण के क्षेत्र में कॅरियर बनायेंगे सीएसजेएमयु के टॉपर

कानपुर। सीएसजेएमच् योपर व सर्वेकिट छात्र पीपीएन कॉलेज में डीएसारी करने के बाद बुनिवर्सिटी परिसर से एमए संगीत की शिक्षा लंने थाले अस्ति गुप्ता को ख्वाहिन सगीत क्षेत्र में ही केरियर बनाने की है। यिता विजय कुमार नुना प्रदेवेट जीव करते हैं। जीकत की कींच गायन को विभिन्न विद्याओं में हैं। संगीत में उनके वच्यन के गुरु उन्नाव के केसी दीवित रहे हैं। दूसरों ओर विवि को सर्वकेट छात्र बीएससी एवं। कोर्स करने बालो शैलाग श्रीवास्तव का सपना प्रोफेसर बनने की है। बांदा कृति बिबि में उसे एंटोमोली में प्रवेश भी मिल गया है। मिता छोटे लाल अध्यावाल रायबरेली आईटीआई में काम करते हैं व मां स्थापित करने का है। पासल पटेल की कमलेश जापरावाल गुरियो है।

रवर्ण पदक पाने वाली छात्रा शैल्वी शुरू करना चाहती है स्टार्टअप



सीएसए के 22वें टीक्षाव समाचेह में छात्रा शैत्वी वर्ग को श्वर्ण पटक प्रदान काशी चालपाल।

कानपुर (एसएनबी)।

सीएसए कृषि एवं प्रीद्योगिको विवि में कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाले मेपावियों में किसी की तमना वैज्ञानिक सरकारी सेवा में जाने व स्वयं का स्टार्टअप स्टार्ट करने की ख्वाहिश जतायी।

प्रसम्न शेल्वी ने कहा कि अपना स्टार्टक्स करना बाहती हैं। हरदोई की अंजू कुशवाहा के पिता बालराम कुशवाहा किसान हैं। अंजू का सपना भी आईटी क्षेत्र में अपना सेटअप योजना बीकिंग क्षेत्र में जाने की है व फंड

एकतित कर वह स्टार्टअप भी आरम कर. सकती हैं। पारल के पिता रमविजय वर्मा अंबेडकरनगर में शुगर केन सुपरवाइनर हैं। औरंगाबाद (बिहार) की दियेका सिंह के पिता राम अनुज सिंह राजनीति में है व बनने की हैं तो किसी ने यूपीएससी के जरिए वसपा से जुड़े हैं। यह पर्यावरण के क्षेत्र में जादसवाल वैज्ञानिक बनकर देश सेवा शैल्वी वर्मा के पिता डॉ. एसके वर्मा व करना चहती हैं। उनके पिता अभिषेक चन्द्र बलरामपुर में मेडिकल स्टोर चलाते हैं। अधियेक सिंह के पिता रमेश शंकर एडवोकेट हैं तबा उसका लक्ष्य अपना उद्यम स्थापित करना है। कुड़ेभार मुल्तानपुर की सीम्ब अप्रहरि के पिठा सरज् प्रसाद अग्रहरि का हादवेपर का

अंकित गुप्ता को मिला सीएसजेएमय् का सर्वोच्च कुलाधिपति स्वर्णपदक



नीटनजेएनयू दिशि के दीक्षांत समायेह में अंकित गुप्ता को नवर्ण पडक देती शाउपपात।

कानपुर (एसएनबी)।

सीएसजेएमए का सर्वीच्य कुलापिपति स्वर्णपटक विवि परिसा में इंस्टोट्यूट ऑफ पाइन आर्ट्स के एमए संगीत के छात्र अकित गुप्ता को दिया गया। र्जीकत को कुल 83.29 प्रतिशत अंक मिले हैं। अंकिय को कुलाधिपति स्वर्ण पदक के साथ ही कुलाधिपति रजत व दो अन्य पदक भी मिले हैं। पूरे विवि में दूसरे स्थान पर रहने वाली पंचर्शल महाविद्यालय (इटीरा बुजुर्ग रायबरेली) की शैलना जायसवाल को विवि की सर्वशंक द्वारा के लिए कुलापिपति रकत पटक दिया गया। शैलजा को भी कुल चार पदक दिये गये। ऑडिटोरियम में आयोजित सीएसजेएमय् दीक्षांत समाग्रेह के मंच से

कुल 88 पदक 54 विद्यार्थियों को दिये गये। हा पदक पाने वालों में 61 प्रविशत लड़िक्स व ३९ प्रतिज्ञत लड़के से । प्रसिद्ध हिन्दी क्रिकेट कमेटेंटर व प्रोफेसर पद्मशी रवि चतुर्वेदी को 83 वर्ष की उम्र मे फिजिकल साइंस की पीएचडी डिग्री प्रदान की गई। अरिचि ने भी इस ठप्र में शिक्षा के प्रति दनके इस कब्बे की सरहना की। समारोह में कुलपति डॉ. डीआर सिंह ने विवि की प्रगति आख्या प्रस्तुव करते हुए भावी योजनामा का आर द्वापत भन्म। पुरुष अतिथि डॉ. दिनेश शर्मा, विशिष्ट अतिथि डॉ. रविकार व प्रदेश की राज्यमंत्री नीलिमा कटियार ने भी विभिन्न हीक्षिक मुद्दों पर अपने विचार रखे व विद्यार्थियों को पविष्य में कुछ कर दिखाने लिए प्रोलग्रहित किया।

सीएसए कृषि विवि में बंटे 57 पदक

कानपुर (एसएनबी)।

सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के टीक्षांत समारोह के मंग्री मेघावियों को कुल 57 पदक विवरित किये गये। इनमें से 31 पदकी पर राजओं ने कब्ज किया। राजों के हिस्से केवल 26 परक आये। 14 विधिन पाठपक्रमों के सर्वोच्च अंक प्रायकर्वी विद्यार्थियों को दिये गये। कुलाविपति स्वर्ण पदक पाने वाली में 9 छात्राएं व 5 छात्र शामिल हैं। इसके अलावा 14-14 रतत व कांस्य तथा 15 प्रायोजित स्वर्णपदक भी वितरित किये गये। पदक पाने वालों में छात्राओं का प्रतिशत 54.39 व छात्रों का प्रतिशत 45.61 रहा। सीएसए में इस वर्ष विधिन पाटपक्रमों के कुल 643 विद्यार्थियों को डिग्नियां दो गई। पीएवडी दिल्लो धनकों के साथ कुलाधिपति व अन्य अतिबियों के सत्य फोटो सेशन का दौर भी बला। परास्नाटक में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले 17 विद्यार्थिक को पुस्तक पुरस्कार भी दिवे गये। 6 विद्यार्थियों को एक से आयक पदक दिये गये। शैल्बी वर्मा व अर्पित सेनी को तीन-तीन तथा प्रियंका सिंह, पवन कुमार मीर्थ, कंचन देखी व राजशेखर द्विवेदी की

कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाले सीएसए छात्र

कानपुर (एसएनबी)। शैल्वी वर्गा (बोएससी आनर्स कृषि), पारल पटेल (बीएससी आनर्स गृह विज्ञान), प्रियंका सिंह (बोएससी आनर्स वानिको), मिल्लका जापसवाल (बीएससी आनर्स उद्यान), अभिषेक सिंह (बीटेक कृषि अभियांक्रिकी), ग्रह्म शास्य (बीटेक मैंकेनिकल इंजीनियरिंग), सौम्या आहरि (बीटेक इलेक्ट्रिकल एंड कम्मुनिकेशन), अंगू कुरायहा (बीटेक कम्पटर सहस), विशाल कुमार (बीटेक डेयरी टेक्नोलीबी) वृजेश कुमार पाल (बीएकएस-सी फिसरी साईस), अर्पिता सीनी (एमएससी कृषि), पवन कुमार मौर्या (एमएससी उद्यान), सौम्या गुक्ला (एमबीए एम्रो बिजनेस) व तिस्ता सिंह (एमएससी

बैग-पुस्तकें पाकर प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे मुस्कुराये



कानपुर। सोएसजेएमच् व सोएएस कृपि विवि के दीक्षांट समारोह मंघ से राज्यपाल के अन्दोबन पटेल के हाथी स्कृती बैंग के साथ पुस्तके व अन्य मामग्री पाकर प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों के चेहरे खुगों से जिल डठे। सीएसए में जहां दो दर्जन बच्चों को दीलात समारीह में शामिल फरते हुए ठका उपहार दिये गये, वहीं सीएसजेएमपू में दर्जन भर बच्ची को मंच से उपराम मिला। राज्यपाल जानंदीकेन पटेल की ही पहल पर मिरवविद्यालयों दीसीत समारोह में उधर प्रावमिक व उच्च प्रावमिक विद्यालयों के बच्चों को भी शमिल किया जा रहा है व स्कृती सामजे उसहार में दिवे जा रहे हैं। उन्हों को पहल पर टीबी व कुपोपित बच्चों को पोषण सामग्री डमलका कराने के लिए भी विवि आरी आसे हैं। स्वय राज्यसल ने कहा कि दौसीत समाग्रेड में अपने से इन बच्चों में भी बेहतर पढ़र्ज-लिखाई कर आने बढ़ने प्रेरणा जग रही हैं।

अयोध्या में बनेगा वैदिक विश्वविद्यालय : दिनेश शर्मा

चौबेपुर/कानपुर (एसएनबी)।

सरकारों में चल रहे इत्या, लूट जैसे उद्योगों से भी बहा नकल माफिया उद्योग को भी भाजपा को सरकार ने जड़ से समान्त कर दिया है। उन्हां बात सोमावर को प्रदेश सरकार के डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने क्षेत्र के अमिलिया गाँव स्थित पंडित आरफे लॉ कोलेन के सेमिनार के दौरान अपने संबोधन में कही, उन्होंने कहा कि प्रदेश संस्कार पगवान राम की जन्म स्वत्नी अयोध्या में बी राम बीदक विश्वविद्यालय अति शीप्र

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री हो, दिनेश शर्मा दोपहर 12 वजे चीबेपुर क्षेत्र के अधिलिया गांव स्थित पहित अहरके शुक्ला लॉ कॉलेज के सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में श्रमिल हुए, जिसमें उन्होंने कहा कि अयोध्या में औ राम वीदिक विश्वविद्यालय अति शीध



बनेगा, जहां ज्योतिय, कर्मकोठ, रामायण व भगवत गीता पर शोध की पढ़ाई होगी। उन्होंने प्रदेश की योगी सरकार द्वारा चार वर्षों में किय त्रप् विकास कार्यों का वर्णन करते हुए कहा क प्रदेश सरकार ने 89 विज्यविद्यालय तथा 248 मार्थ्यामक विद्यालय को बनवाना है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में नकल मापित्या सबी हे और नकल उद्योग चरम पर **वा। प्रदेश** में आई भाजपा सरकार ने कारत माफियाओं पर नकेल कसी, स्टेटिक महिस्ट्रेट को निवस्त्री में सीसीटीवी कैमरों से स्वागत कर आधार व्यक्त किया।

स्वरूप आज प्रदेश से नकता माफियाओं का सफाया हो गया। उन्होंने कहा कि पुराने पाठबाहमी पर बदलाव की जरूपत है, शिसकी समीक्षा हो रही है, तर पाठयक्रम ऐसे होने चाहिए। जिसमें भारतीय संस्कृति व परंपरा का समावेश हो। उन्होंने निक्षा के व्यवसायीकरण का

पुरब्देर विरोध किया। इस मौके पर प्रदेश सरकार की राज्यमंत्री गीलिमा कटियार विधायक प्रतिभी शुक्ला, विधान परिषद सदस्य अस्मा पाठक, पूर्व भागपा सांसद श्पाम बिहारी मिला, अनिल शुक्ला वारसी, अवध विसरी मिल्ला, विजय पंडित, जॉ. अवध दुवे आदि ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षत इलाहाबाद हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त न्यामधीर रंगन्य पाडेय ने को। इस मौके पर लॉ कॉलेज के घेपरमैन पंडित विनोद सुबला ने आए हुए अतिविधे का

पीएचडी करने वाले हिन्दी कमेंटेटर रवि चतुर्वेदी लिख रहे पुस्तक



कालपुर। सीएसबेएनप् कें दीशांत समारोह में फिलिकल साइंस विषय में पीएचओ उपपि पने वाले स्थानीय दल्पेपसम्बद्ध निवासी दिल्लों में रह रहे प्रसिद्ध हिन्दी बामेंडिए रवि चतुर्वेदी इन दिनों क्रिकेट का चौराणक सदर्भ विषय पर एक पुस्तक दिशी

रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसमें पुराने भरतीय खेलों कर किक होया। उन्होंने कहा कि क्रिकेट अग्रेजों का खेल नहीं है। धरत में वर्षों पूर्व पेड़ के होते व कर्दव के वेंट्नुमा पूर्लों के सहारे

बहां दीक्षत समारोह में मिली पीएचडी उपवि पर उन्होंने प्रसन्नत तो जनाई, लेकिन विकि के असहयोगी रवेचे पर दुख भी साहया। उन्होंने कहा कि उन्होंने 2013 में पोएचडी के शिव र्राजास्ट्रेशन कराया। उन्हें कोर्स वर्क से विशेष सूट दी गई। लेकिन पीएचडी का वापदा का कराते समय तत्कालीन कुलपरियों ने अवंगे लायचे, विवासे अब आठ साल बाद जाकर जॉ पोएचडी दियों नसीय हो सकी है। उन्होंने प्रदेश के उच्च निका राज्य मंत्री के दिनेश सर्व ही सरहान की, जिनके प्रवासों से उनका पोएचडी क्लिया से सका है।

विश्व जल दिवस पर पत्थर घाट में हुई महाआरती



(ऑवरऑस प्रेंड प्वाईट एवरेज) अंक पाए है। इनके पिता वर्ड एसक बमा और मां डॉ. विनीता कटियार प्रोफेसर है। भविष्य में नौकरी करके कंपनी बलाने का अनुभव लेने के बाद स्टाटका करना चाहते है। इसका कुलाधियाँत स्वयं, गय साहब गजाधर लाल

बँक में नौकरी की तैयारी

योएससी (औनसं) कृषि में 8.38 ओसीपीए पाकर हताधिपति स्वर्ण पटक पाने वाली पारल परेल को बलिधपति स्वणं पटक मिला । अंबेडकर नगर को रहने वाली पारल फिलहाल विकिश की तैयारी कर रही है। बडाया

आगरा निवासी शेल्यों वर्मा ने संक्रमण के दीशांत समारोह में तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किए है। बोएससी कृषि (औनसी) विषय में 8.40 आंगपिए



कि नौकरों करके कुछ पैसा जोड़ने के बाद टेक्सटवल क्षेत्र में खुद का स्टार्टअप करना है। इनके पिता रणविजयं वर्मा सुगरकेन सुरस्वादका और मां राजकुमारी गुहलो है।

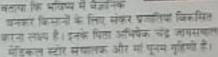
पर्यावरण मंत्री वनकर सुधारुंगी वातावरण

बिहार के औरगाबाद की रहने वाली प्रियंका सिंह को कुलापिपति स्वर्ण पटक मिला है। इनके बीएससी (ऑनसे) वर्तनकी में आंजीपीए 8.69 आए है। इनके पिता रामअन्त्र सिंह व्यापारी और मां सामा सिंह गृहणी हैं। यताया कि बनारसं

दिद् विस्थीनधालम् से पोत्ती को पहले कर रही है। मेरा उद्देश्य पर्याथरण से संबंधित किसी विषय में शोध करने के बाद देश में पर्यावरण मंत्री बनना है। मैं देश के पर्यावरण में आमृतकृत परिवर्तन लाना चाहती हूं।

वेज्ञानिक वन विकसित करूगी संकर प्रजाति

प्रसरमपुर निवासी मल्लिका जायसवाल ने वीएममी (ऑनर्स) उद्यान में ओजीपीए 8.73 अक प्राप्त किए हैं। इनकी न्याग गना है। यह सोएसए से शी व्यवसानी की बास है। बताया कि भविष्य में वैज्ञीनक



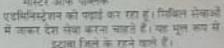
उद्यमी बनकर किसानों को देंगे रोजगार

प्राचानिको अलिल मे बाटक (कृषि) में 8.65 आंजीपीए अंक लाकर कलाधिपति स्थणं पदक पाने वाले अभिगेक सिंह कृषि उद्यमी बनना चाहते हैं। बाहच भ अपना कृषि उद्योग लगकर किसानी को ग्रेमगर देने की

योजन पन रहे हैं। इनके पिता रमेश संबद सहसाकत और मां सानि देशों मुहणों हैं। यह मूल रूप से उप्ताव दिले के साने वाले हैं।

आइएएस वनकर करेंगे देश सेवा

आंजीपीए अंक पाकर कलाध्यात स्वयं पदक पास है। इनके पिता मनमोहन सिंह मीएमए में बाब और अनीता दवी गृहणी है। बताज कि इस्नु से मास्टर ऑफ पब्लिक



वनना चाहती है आइएएस अफसर

सत्तानपुर की रहने वासी सीम्बा अग्रहरि ने सीएमए से कंटन (उसवदानिक एड कम्युनिकेशन इजीनियारिंग) में 8.05 ओलीपीय औक पार हैं। इस पर उन्हें कुलाधिपति स्थान पदक दिया रपा। सीम्य ने बताया कि उनका बचपन में ही सपना था कि यह इंजीनियर बने। पिता सरवपसाद ताव में ही व्यवसाय करते हैं। तबक मा प्रीती देवी महणी है। यह मिबिल मिबिल को तैयारी कर

आदेपएस अफसर धनना चाहती है।



सीएसए के कैलारा भवन में 22वें दीक्षांत समारोह में पदक व डिग्री मिलने पर छात्राएं खुरी से उछल पड़ी। 👓 👓

पदक पाने वाले 57 मेधावियों में 31 छात्राएं

सीएसए के दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने किया सम्मानित, 643 छात्रों को दी गईं उपाधियां

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। चंद्रशेखर आहाद कृषि एव प्रीचीपिकी विश्वजनपालय के कैलाश धवन सभावर में मोमधार की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में हुए 22वें दीवांत समारोह में 57 मेधावियों को संक्र्य, रजत और कास्य पटक देकर सम्मानित किया गया। 643 वार्वे को तपाधिया दो गई। 57 में 31 पटको पर कमज कर छात्राओं ने छात्री को पीछ छाड दिया।

सबर पीन 11 यज शोभापात्र के अतिथि कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपुत मौजूद रहे । कलपति डॉ. डीआर मित्र में बिबि की प्रगति रिपोर्ट पेश की। दिया गया। छह मेधावियों ने एक ज्यादा वर्तमान में प्रदेश में 576 कृषि उत्पादन



दीखांत समारोह में छात्रा शान्वी वर्मा को पटक व डिग्री प्रदान करती मुख्य अतिथि कुलाधिपति राज्यपाल आनंदीधेन पटेल, साथ में मंत्री लाखन सिंह राजपूत, कुलपति डॉ. द्रीआर सिंह व उपाध्यक्ष नीति आयोग नई दिल्ली डॉ. राजीव कुमार। 🕬 प्राप्त

साथ कुलाधिपति सभागार पहुँची। उनाने बताया कि 14 मेपावियों को स्वयं पटक जीते। कुलाधिपति ने विवि के समारोह में मुख्य अतिथि नीति आयोग के कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 14-14 मोद लिए गए जैव संबंधित गांव अनुपप्र उपाध्यक्ष डॉ. राजीय कुमार और विजिष्ट मेधावियों को विवि रजन पदक य कास्य के प्राथमिक विद्यालय के 25 छात्रों का पटक दिए गए। 15 छात्री को प्रायोजित पस्तके, दलिया, पेन, फल एवं बैग संटि। स्वारं पदक और 17 को पुरस्कार सम्मान विशिष्ट अतिथि लाखन मिह ने कहा कि

पांच पुस्तकों का विमोचन

मीएसए के वैजनिकों द्वरा लिखित पांच प्रतक्तें (विश्वविद्यालय वार्षिक प्रतिबद्ध, रोजगारपस्य तकानीकी प्रशिक्षण प्रभाव एवं मृत्याकत क्लाइमेट माइन चिसियत एड इटस एपनीकरान औन एग्रीकल्चर, पाइप ग्रंचन में जैव हवंरकों का महत्व, बीन उत्पदन तकनेक) का विमोधन भी समारोह में किया गया। इस दौरान दाँ वतात स्थान, डॉ. एथओ प्रमाग, डॉ. मचंद्र कुमार, जॉ. बेटरतन, दॉ. आशोप वंबम्तव आदि मीज्द रो।

संगठन कार्यरत है को लग् एवं सीमीत किसानों की आप बहाने में मोल का पत्थर सावित होंगे। कुलाधिपति ने नीति आयोग के उपास्त्रम को डॉक्टर ऑफ फिलांसफो को मानद उपधि दी।

संवाद न्यूज एजसा

कानपुर। लडकिया आगे बंड रहीं,

अच्छी बात है, पर लड़कों का पिछड़ना

चता का विषय है। ऐसा होगा तो लेगिक

असंतुलन होगा जो कि अच्छो बात नहीं

है। मामवार को सीएसए के दीखात

कहा कि 57 में से 31 मेडल लडकिया

के नाम है। उन्होंने खुटकी लेते हुए कहा

इससे बेहतर उदाहरण क्या होगा।

सीएसए में रजत और कांस्य पदक पाने वाले मेधावी

- 🔳 रजन पदक ज्योतिका मित्रा (बीएससी कृषि), रिद्धि बमी (बोएमसी पृह विज्ञान), नैरॉन फार्तिमा (बीएमसी वानिकी), अनिरुद्ध प्रसाप सिंह चंदेल (बीएससी उछान), असह पाडेय (बीटेक कृषि), सुभम कुमान तियारी (बीटेक मैकेनिकान), नीमता आखान (बीटेंक इसे एंड कम्यूनिकेशन इसी), सिमारन (बीटेंक सीएस), रामजी गुना (क्टेंक डेक्स टेक्नीलीजी), अशिका गुना (बोएफएसस्से), भूग माँग विपादी (इमाइससी कृषि), अनुराग कुमार (एमएससी डबान), शुधम (एबोर्म) और आरचर्च बीबास्त्रथ (एमएसमी गृह विज्ञान)।
- कांस्य पडक यशी मिला (बीएससी कृषि), कृति द्विषेदी (बीएमसी गृह ग्यान), तिमारी सिंह (बीएमसी वानिकी), अमन कुमार मीर्च (बीएससी उद्यान), शिवम चादव (बीटेक कृषि), दियाकर मारम्बन (बॉटक मैकेनिकल), ऑहका पटेल (बॉटक इले पंड कम्मुनिकशन इली), स्रीता कुमार सिंह (बीटक मेपस), अनुग्रम् सिह (बाटक इयरो टक्नोलाजी), शयन ग्रेय कीएकएससी), सुब्र पटनावज (यमप्तससी कृषि), जितेद कुमार हमाससी उद्यान), सांचन तिवारी (एकीएम) और कंचन देखी वमारमामी गृह विज्ञान)।

पिता को नहीं भूलना चाहिए। आर्थिक

स्थिति कमारान होने पर भी सक्यों को

मिलेगा। हमें पानों के बस्टज को राकन

है। विवि में जान सरक्षण के लिए रन

समता बड़ाने के लिए जीवक, प्राकृतिक और गांआधारित

लड़िकयां आगे बढ़ रहीं, पर लड़कों

का पिछड्ना चिंता का विषय

कि कुलपति वा बीआर सिंह स्टडी कराएं। पृष्ठिए क्या याटर हार्वेस्टिंग और एसटीमी लगाएं। बतामा कि

तकलीक है लड़कों को, मलेकिट के ख्यालों में गुम रहते | सीएसए कुलपति के कमरे में एक लोटर पानी की बोतान

हो का पड़ाई में मन नहीं लगता। लड़के तो घर में काम मुझे पीने को मिली, मैंने उसको वापस करके छोटी

भी नहीं करते। लड़कियां तो घरेल काम में भी हाथ खोतल पानी मंगाया। इसी तरह आपको पानी की वर्षांटी

बंटाती है। फिर भी आगे हैं। नारी सहकतीकरण का को रोकना है। उन्होंने कहा कि जमीन की वत्पादक

उन्तव की रहने वाली सीव्या सकता ने मीएसए से

ओशोपीए अक मिले हैं। मबीबा अंक लाने पर

ग्या। अब वह सिविल सर्विसेण की नैपारी कर रही

या को जिम्मेदारी संभातती हैं। माता-पिता चत्रते हैं

मिविल सर्विम की तैयारी करुगी

समारोह में प्राइमरी स्कूल के बच्चों को हैंग व पठन-पाठन सामग्री भी दी गई। अन्य प्रवत

रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से धरती बंजर

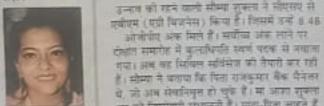
कानपुर। एमार्चनक उक्षाको क प्रयोग से जर्मान बाहरता की और यह स्ति है। प्रीट्रयन इस्टीट्यूट ऑक स्वयत माईमेज के साथ हुई एक चर्चा में सामने आचा कि जमीन में औपत आरोनक कार्यन ०५ प्रतिगत रह गया है जबकि यह न्यूनतम 1.5 प्रतिशत गीत प्रार्थित पर बर्ट संप्रधा को मीएसर के

बनाइ से कृति उत्पादन में लागत भी बद रही है। भारतीय प्राकृतिक कृषि पद्धति से ही धरती जीवत होगी। उन्होंने कहा कि अपन स्मृत के दिनों में विहार में भूखनरों का हाल देखा है। देश के भंडारे में यांच करोड़ दन अचल भए है। जल संरक्षण पर दर्ग सुमान ने जाता कि 89 प्रतिशत प्रारंड पाटर का उपयोग खेती में किया जाता है। पानी तेनों से खत्म हो रहा है, इसकी खत्म होने से रीमाना है। (संवद)

राज्यपाल ने कहा कि पहाई के आगे अपने माता- खेती की ओर सख करने की आवश्यकता है।

वाली की खते करी अधिक केनी न सोवस्ता से एपएसमी (कृषि) में 8.98 ओजीपीए अंक पाकर कृत्याध्याति स्वर्ग प्रदक्षः डॉ. एमएम अग्रवात स्वर्ग पटक तथा मुद्रा विज्ञान एवं कृषि रस्त्यन विषय में मधीम अंक पाकर हो। भारत सिंह स्वर्ण पदक श्रामिल किया। चिता आशुरोप मोनी भारतीय

ने कहा कि वह पिता की तगर को अफसर बनना चाहती है।



पिता चाहते हैं कि बंटा वने वैज्ञानिक

चरोती निधासी पवन मीर्च ने एमएसमी उद्यान बिहान में 6.37 ओजीचेर् अंच पतार कुलांपूर्वत म्बर्ग पटक एवं फल विज्ञान विषय में सम्बंद्ध जेक करून डॉ. किस्त बाजपेयी स्थल पद हासिल किया। प्राप्त के पिता शमजतन गांव में रह कर खेती किसानी बारे हैं, जर्बाक मां जोगमने गृहिणों हैं। उनके माना रिता को मधन का कि समील क्षेत्र में रहने के बाद भी बेटा अच्छी किया हमित करे और राज के साथ ही मोरवार का नाम रोहार हो। यह मीहमार से पीम्पडी कर रहे हैं। विका



उप चुनाव आयुक्त की बटी की गोल्ड मेडल

कि बेटी बड़ी अफसर बने। हमेरा तस्य पाने की कीरीश की।

देशगृद्ध की रहने वाली जिल्हा सिंह ने एमएससी गृह विश्वत (फड एड न्यूरेशन) में सर्वीच अंक है 11 ओनोपीए हामिल बिया। इस पर उन्हें मुलाधिपति व्यक्तं पदक विला है। शिखा ने बताय कि पिता प्रभात कुमार देहरादून में डिप्टी इलेक्सन कमिरना है और मा तपासना देशो गृहियो है। शुरूआत से कह टापर रही। आज जो कुछ भी मिला उसमें माला पिता का बढा योगटान है। अब उनका लक्ष्य मिविल सर्विमेग

की परीक्षा पाम कर बड़े पट पर आसीन होना है।

किसान परिवार की अंजू बनी साफ्टवेयर इंजीनियर

हरदोई के साड़ी की रहने वाली जेन् कुशवाड़ी का टरिक्रम जब सीएसए के बीटक में हुआ तो लोगों को आधास नहीं था कि यह चेटी गांव और समाज का सिर गर्व से ऊचा कर देगी। लेकिन अंजू को अपनी महत्ता और लगन घर पुरा विश्वास था। वह संस्कृत महांस में बीटेक कर परिवार की पहली इंबोर्नियर वरी और संचीधक अंक लाने पर स्वर्ण पटक से

नवाजा गया। अन् दो भाइयों और तीन बहनों में सबसे छोटी है। विना बलराम कुशवारा खेती किसानी करते हैं. मां रामधती गृहिणी हैं।



देखात समारोह में मुख्य अस्तिब के तीर पर पहुंचे नीति जामीर क उपलब्ध हो सामय कुमा ने बाती। उन्होंने महा कि हम

इटाए के राजे वाले विकास कृषण ने मीएसए क

टीवात समारेत में बृत्तर्वपर्वत स्थानं पदक पामा है।

इंको हरूनायोगी से बार्ट्स में 7.83 ओसीपीए ऑक

यह हैं। बिगात ने बढ़ाय कि विता सुसीत कुमार

किसान और स्टें कुसून देखी गुंबणी हैं। बर्तमान में सा

बेएका न एको रेक्नानामी में एक्ट्रेक कर रहे हैं।

इस सुकार तक पहुंचने में माता पिता और युवजनी

बा बंद देते हुए बारा कि मेहदन और लगन से लक्ष्म

र्गेवर्द निवासे क्रमेश कुमार पान ने सोवसर से

बीएकएक-को (विकासिक महोस) में 8.46 को लीपीए

अंत्र पत्रत कुलानियोंत प्रश्ने पटक हरियन किया है।

बर केया चरण प्राप्त तरिकाल कृषि विकासीतराज्य

जिसार से एकाएकएक की बार रहे हैं। विश्व रमेश

कुमार पान खेरी किसाने का बाब करते हैं। मां

अनेत देशे अंतरवाड़ी बारक्षणे हैं। क्रांस ने

बताय कि रिक्त सबसे में कि बृद्धि के क्षेत्र में उपा

गाल्ड मंडल पाकर पिता का सपना किया साकार

रिक्टीन कर जे बान क्रिया जल है, उसमें समानता जरूप मिलती है।

किमान का बंटा बनना चाहता कृषि बेजानिक

from प्राप्त करके जान रोगान को । आधा सबसे पटक पाने के बाद अपने को

गोरवर्गियन मारम्मा का रहा है। यह कृति वैज्ञानिक बनन बाहते हैं।

पिता की तरह बनना चाहती अफसर

पर्शापीय तम अनुसाधान संस्थान वाली में अधिकारी है, या मीमा जुनियर विद्यालय में लिखिका है। अधिना

पारते हैं कि यह वैश्वासिक पने।

विश्वीं लय, कानपुर

की खाहिश

वाले बादशाडी

नकर निवासी अधित गरमा

की स्थातिष

前衛計

जनहोंने बक्दन ने सर्वत हो।

तर्गति के क्षेत्र में व्यामक्त

संगीत के क्षेत्र में कामवाव होने

एमए गरीत में कुलावियति नवर्ग, कलविवानि रजन, कलविवानि कारक व काराति स्वर्ण पदक प्राप्त करने

पूजा की है. जिसका करा उन्हें मिला

है। संगीत का जुनुन तनके अंदर इस

कदर है कि वीर्यपन करिनेज से वीरासरी

करने के बाद अन्तीने प्रमासनी न करके

विश्वविद्यालय के नर्गन विश्वव में एकर

संबंधित से प्रतेश सिया । उनके गुरू के बी

द्वीचेत्र हिता क्षित्रण कुमार गुरू व भा

वेदी मुख्त का कदम कदम गर साव

भेता. विकासे अनुपेने वह पहला पहल

धार किया। यह बताते हैं कि उपनी महिला दूर है, जात तक पहुंचने के लिए उनका

अभाग निरुत्र ज्यो गरंग।

शैलक

राजिक प्रशिवन

专由3月9年

कार्य करके

की है। प्रकृतिन

गतविकानव

हरीमा कुरून

में असमि

कृपि प्रोफेसर बनना चहती है

रीएसजी कृषि सक्राय में सर्वकेट छात्र

के जिल्ल कुलावियानि जना। पदान प्राप्त

करने वाली होलाग जावनवाल की

स्वत्व वी परिवा पस की। मृत

रूप से बार्गत के प्रशास गावदोली

जी सहने वाली रोलाग बताबी है कि

वचपन में कृषि के क्षति सहसन होने के

कारण असीने इस किएत को बना (उन्हें

कुलांग्यीर रास के असका कुलांग्यीर

कारव कुलानि राज्ये व बीमनी नदराजी

देवी स्थाने पटक से भी सहसा गया है।

राष्ट्र कृषि विश्वविद्यालयं स व्यवसारी

चीर विलान की पडाई कर रही होताल

ने बनाया, आहटीआह रामधीली

में वार्तरत उनके विशे क्षेट्रेसान

अवस्थाल व में कमतेश अवस्थात

यत इस सफलता में विशेष योगदान है

उन्होंने कदम कदम पर होसान बहारा

एक से अधिक पदक

- * अवितासिक समा असीत ०४ अनुसर पति विकति, वैकाम
- प्रसर दुशायात, विविद्याला. सवाय 03
- विद्यास्त्र कृतार भीवं एमरससी रसावनः ०३
- मरीच अक्टबो, एमएससी भीतियी 02
- रीतेश दुम्पर, एमा असीन भारतीय इतिहास एवं सन्तृती -02
- विकास वाष्ट्र, प्रसंदेश 345901-71-1 (12

एक से अधिक पदक प्राप्त करने वाली प्राचार

- जीताम अवस्थात, बीएसरी 學(10)
- उपीरि बाजपेपी, एमएड १६४ अपने रहणत, प्रश्चकर्ता
- नानियारी 03 व्यक्ति वैद्यास स्वयं प्रथान प्रथान ।
- अध्यक्षि गुप्ता, रामराताची रसावन
- **FERTA 01** मध्री कालान, एमळॉम छ
- + अधिका वात्रवेती तथा राजनीति विकास (६)
- सीमदा शुक्ता, यनप दगन्याम् ता क्षावेरी शुक्ता, गमरससी जेव
- रसाग्रन ०३ = जुलेश व्यवस विशेष वर्र
- प्रतिभा गुक्तन, कीए 02 दिया निया तीमत (1)

28 निजी विश्वविद्यालय स्थापित होंगे

जन्मर वर्षण में 20 मिली विश्वविद्यालय स्थाने ज्ञाने इन विद्यविद्यालयो ने अधन आर्थका है किए हैं। आजमगढ़ नवारसपुर और अतीगढ़ में तीन राज्य विश्वविद्यालय भी स्थापन विग जारते।



कार्यात हिन्दु प्रश्न सीतात bedraren ir den merer व विकास विकास के राज्य का स्थान के Peter Tax And + State

प्राथकी राष्ट्र भी बारतार विश्वविद्यास्य के देशा सम्पर्कत में हा श्रीय की बार्डी की क्रियारी की उपनि प्रदान करती करणकान अनिविद पटेल (दार में लें मी नकर पर)। साथ में (बार्स के) ाता मात्रा करवानी में तथा दृष्टियार उम्बुक्ताना ते दिसा वार्च ४। दार में कुलाविता सेवार विकार अधिका भागतीय अनुविद्धान संस्थान स्थितिक के विदेशक प्रदेशनी के ती काल a सकता

हाथों में पदक, आंखों में सफलता की चमक

सीएसजेएमयू के दीक्षा समारोह में 54 मेघावियों को मिले 38 पटका एक लाख 90 हजार दो सौ सात छात्र छात्राओं को मिली उपाधि

कॉलेजों में पीएचडी कराने पर मंथन कर विकासिकालयों में पार्ट टाइम के प्रशेश केंद्रों पर अनिनद्दन नजर

राष्ट्र औ महाराम विस्पविद्यालय के 35वें दीवह समारीह में हनातक स्वतन्त्रीसर य पीरपड़ी के 54 ग्राप ग्रापाओं को 38 पदक प्रधन निए अग्राम संबद्धकः क्रमकः पीएन्यही वय इन्हें मिलाकर विक्थविद्यालय बारने की श्वासीया रहाने वाले काही के समाने मोटी को लागे का अंबाट य संपद्ध हिसी शतिल के एक लाख ०० हजार वाच वाजाओं को इस वर्ष नमें गहरूपमा। विश्वविद्यानमें तपाचि दी गई। समाधित के दीवन में पार्ट राहम पंत्रचडी को मंजूरी देने के बाद सरकार जीलेजों में पत्रक प्रथम करने वाले संपाधियों संस्थिति स सन्दर्भ भी पीएचडी नराने पर विचार कर आनदीर्थन पटेल, मुखर अतिथि उप सरी है। इप महलपाने हाँ, दिनेश व्यवपात्री साँ. दिनेश रामां, विशिष्ट शर्मा ने संज्ञाति सामुखे महाराज अधिक उच्च क्षिमा राज्यमंत्री विश्वविद्यालय के दीना समार्गत नीतिय बटियार, एक्स प्रविकेश में बताय कि दिशी कॉलेजों में भी के निर्देशक हो। रविकात व कुल्स्पति अधिक से अधिक सात्र शोध कार्य हो, श्रीअहर सिंह ने पद्धा स उपाचि वन सकेंगे। एक कमेटी गठित की इक्षत्र विकार इस दोसन अफिन गया। गर्द है। जिसाबी रिपोर्ट अपी जान की कलाधियाँत स्थापं स राजत एस रों में अर्थ है। दिवी कॉलेजों में शैलामा माध्याबास को कुलावियाँन पीएचडी कराए जाने के लिए लगा राजन प्रदेश से मध्यान गर्छ।

समाज में बराबरी के लिए समानता जरूरी

जानक राज्या कान्युर कार्यात

रामानंद के दौराव गाउन विशेषक

के बाद से सबी मायने में जीवन की

शुरूअन होती है। अब वात्र छात्रओं

धी. रविष्यांत ने बत कि उपाधि मिलने करना नहीं है। उच्च प्रिधा एक पर आगे बढ़ने के लिए सरमता। अच्छा नागरेक बनान भी सिखाती को कुली मीता बोलब है। बॉलेज है। उस्तिने बाहा कि अगर अवरहीयक को या संस्था होगा कि वर समाज भी बात करें तो पांच सतन तक सक्षमा होगा। इस दीवन उसन विश्वा को क्या दे सकते हैं। शिशा का आर्थ जिस कोमें में बदलाय जोति क्षेत्र गांज्य मंत्री मेलिया कटियार ने कहा केवन चीतिक, रसंस्था व गरिवर है यह बेड्डार हो जाता है। इसलिए कि आधारियर बारत की और हम

डी. शर्म ने कहा कि सीरसामसम्बद्धाः राष्ट्रीय मृत्याकान एव वलकावन परिषद (नेक) सं वंदिन कराने की तेवारी करनी व्यक्ति । विक्रमी बार मिली नेवा रिडिंग का समय खाने ही चका है। नियम होने चाहिए, इस पर मधन

नेक गेडिंग करह विवि

चल (हा है। जल्द ही इसके मानक य स्थापन तथ कर दिना जाती । गर्ट टाइम पोएचडी को लेकर को गति देने के लिए सरकार ने

से निकानने के बाद यह सबक ध्यान

चीएपटी को मंत्री ही है। कुछ रखी खएगी। परिधा केंद्र बतने में विकासिदालयाँ में इसकी मूलआत भी को कर्त है। मीक्सर्जक्रमण प्रशासक भी नव भार से पार राहम पीएससी शुरू बराए जाने की गैयारी करे। उन्होंने बड़ा कि सहर के दीएवी टिडी वर्गनेज में शोध वर्ग के लिए अरस्य विद्यार्थ और्ध चीड् स्वर्वपत की ना रही है। इसके लिए प्रदेश सरकार ने 50 लाख रणये का अनुदान दिया है। उपलेने बना कि सरकार का जोत रोजगावपस्क पहलाकम पर है।

परीक्ष केटी पर रहेरी अनिसंहर तर मुख्यमंत्री ने करा कि शोध नजर नजन विशोध पटेपाओं के गदेनजर स्नातक य स्नातकोत्तर

इसका ताम उदादरण है। साम

क्षत्रकों को भी अल्पनिया भारत

में सहभाविता करनी चातिए। इस

दीगन दीन एक्टिमिक हो, संजन

इस भीके पर विधायक सुरेड मेवानी.

वीएसबू से कर रहे एमटेक

धा र में मिलितार तियह कड़िंग

कृपार कारोबारी और मा कृतुम देवी

प्रोफेसर वनना चाहती है जिस्हा

वेहराइन की खाने वाली शिरक निष्ट

धोकेसर वसना क्षाति है। उनके

कारी वाते इटाव

कुमर बीरवपू में

ामदेख कर रहे

दे वह देखानिक

वनना सहसे हैं।

एमएन सी (गृह

shalido a as

विता कारमधा के

शिर्दी क्रिकाम

काम्यान है। मा

नामा अधारा

इसके वीरक व

stolicte co. a

कुरविद्याति सोल्ड

नेवल से वापता

existes for sur-

The stant adl (f) fire

ने करते लेकर

NE ARREST

गान विश और

RECEIPT (D)

असादि। उसे

वसने वा है।

उपसन्त विश्व मुख्यो है।

अकसर वनने का सपना

क्रमान्त्रकृतिकारी सीम्बर अवद्यो का

DATE & LEGIS

प्रभात कुमार

विकास में

विता सुर्गील

Frankli Renner

सबसे पाले राजवीय महाविद्यालय त्रकार बाद सतायता प्राप्त हिन्द स्वितालपीयत महाविद्यालयं को शामिल किया जाएक। विवादित कालेत को मुची में बाह्य उच्चा जाएका कर्यों य क्यों की प्रतिका जो पहले डेड से हे खड़ तक चला काती भी अब महात ए से १५ दिने में साला हो रही हैं

जन्मुदय प्राचे को मिलेंगे ई-टेक्सेट उप मुख्यमंत्री ने करा कि अध्यूष्ट क्वीपित अध्ययन क्रियों में धड़ते के शिक्त् धार्यनित होने वाले द्वारते को ਹੈ-ਵੈਕਜੇਟ ਵਿਚ ਕਰਮੇ।

चित्रण को पहार्थ करके दियो प्राप्त अपोर्टसन अरुटो है। कार्य स्थान तेजी से यह रहे हैं। कोरीन दीस्त्रीन विश्वास महेल दिवीदी, एमहलाही अस्य पडक, कुलस्यिव डी. असित कुमार बारब, बिला अधिकारी साधन क्षेत्रस्ताव, प्रो. अस् वादव, धीण प्राप्तर हो. संदोप सिंहा, हो. प्राचीम स्वर्णकार ने गरीश बंदना पेश भी। अदिवार समेत अन्य विश्वास न ताल सरकार भीजून हो।

रोल्से वर्म के तीएतारी। अस्तर)

अप्रतिकार अन

है । तक मीनस्या

क्रावित्वे विप्रदर

फिल हो, प्रस्थे

मार्गहरिया

की रहने वाली है।

d street in

शुरुवात को उस को बील से वह वा क्षेत्र खेला बनते थे। कडी मेहनत ही सफलवा का मंत्र - साइटिस्ट वनना चाहती है अपिता - उद्यक्ति विकास कर वनाएमी कदनी

> MYZE FAIR STATE FROM STATE प्रका अधिक काम काम Hills alth संप्रदिस्ट धनन with from बरानी की सहने

क्रमिति हैं, एपएम आग्रस

इम्लंड नहीं भारतीयों ने

जारा कारपुर

सिखाया दुनिया को क्रिकेट

महाराज विश्वविद्यालय के देशह

सन्तरोह में 83 वर्ष की उस में

चेएचरों को डिडो पने माने

चन्नेरी के हीमने को सलम

ते। इस उप में क्वांतिक विकास के

अवर्गन 'किकेट के उपन एवं अन्तर

पालुओं विषय पर पीएखडी करने

वाले गीं। गुवाओं के लिए नजी। बन

गए हैं। उन्होंने शान ही में 'क्रिकेट इन

इंडियन मेंथेलीओं विलाय निर्मा है।

गृत रूप से बानपा के दिलीपत्ता

य इन दिनां दिल्ली के पुलिस्का थ

धा रहे स्त्रि चतुर्वेदी अब इसका

वियो में अनुबाद कर रहे हैं। इन्होंन

यसमा कि पर किताब बताते है

वि द्विप को क्रिकेट भारतीयों ने

forgott B. stuffe, soilt are sefter.

है कि इसका जन्म इंग्लैंड में हुआ।

इंग्लैंड में क्रिकेट शुरू जरूर गुका,

लेकिन यहां की क्यतिक चरवाती ने

अपने मनोगजन के लिए इस खेल की

राजपीत शह जो

आंतराष्ट्रीय क्रिकेट क्षामेंटेटर रवि प्रारंतर हनने

वाली है। उनके दिल आयुरोप सोनी

असमितार में अविकास है।

वीरशासी (ऑनर्स) युद्ध विद्यान में ॥ ३० अंतर्विधिय सम्ब

वाली पातल प्रदेश को प्राप्तिकार REAL ECO. इतिस हक्षा है। वह बक्रमें रेकर Britanis E

Magnet with की काने काली है। विराह नामधिकार वाली जुराकेन स्वरत्वकार है।

जारा कान्युर : बुल्सपिपति ने संग्रासए में आपंडिता 22वें केश समानेह में बारा कि 57 में सरमाओं के 31 पटक महिला समामहीकरण का उद्याहरण है, लेकिन छाओं का निष्ठद्रना चिता का

विकार है। यहाँ । सहिन्दी की से पर या बाम भी करना पहला है। लड्डो ले धाना खावन वालो तक नहीं उठाते। समाज में व्यावने के लिए समानता जरूरी है। कुरब्राविपति है मृद्धि तकलोक के साथ प्राकृतिक और मी आधारित खोली को बहाका देने को आवश्यकता जाउँ। वर्ष जल संरक्षण पर भी जोर विश्व

प्रमाने कर कि सामी को ऐसी इपि तक्तीक के उत्तर काम करना होता, जिससे किसानों को लाभ मिल सके। प्रकृतिक गोती, ती आयरित मंत्रमाध्य की महामा देने की आमानकार के प्रकार के पत्ते के संकास से ही हम चुजल के रूल को जमर ला सबते हैं। यूनियमिटा स्थयं पानी के लिए आत्यरियर बने। इससे पूर्व हुर अत में कुलपति थीं, बीआर सिंह लय को रिपोर्ट प्रस्तुत को। समागेर में कुल 14 रोधावियों जो कुलाधियति पदम विद्यु गए, इनमें 9 बाजार्य और ७ सरत्र नतीयल हैं। कुल 643 प्राप्त को उपविध मिली। 14 साम कामणे राजन पद्मा और १४ स्थाप पटक से सम्बानित हुए। १५ प्राप्तित पटक दिए गए। सारावेद में पांच धारको का विद्योगन एउट । अन्यार गांध के सामागी बन्धरों के शाजी की केन और परल दिए गर। बुलपनियम र्श. वर्षेत्र कुमार, श्री. जीवाद आहे. र्त, बेट रास्त्र, जी, एचजी प्रकास, ही, कुरोत पुरु स्टॉन अन्य अधिकारी । इसका दिवाम तेल पुरुत्ता है। ऐसे में । धारिए।



द्रदर्शाच्या आराह द्रवित पर प्रोद्योतिको विरामिकास्य में प्रेराच्या निक्षः वर्ग गुल्लानिको पटक देवी बालकास आराधिक पटेल, बारा में प्रति नामनी मानन मिर राजपूर, कुमर्जन वे. तीवार मिर और मैंने वार्यम के जनवान ही. तारीत कुमर (का ते वा) + जान

कुलाधिबति स्वर्ण पदक मिला

अवाडकर नगर की करून प्रदेत. विकासी औनसे गृह डिजन वसराधार की महिल्ला आवसदान, वीपकसी उद्यान हमात के अभिनेत सिंह, कृषि अधिवासिको रारवेई की अन् कुरस्थार कायूटर साहरा हरामा के विकास कुमार अंतरी टेक्नोलीजी केवर्ड इटाम के इंडेस कुमान पान बीन्यक्ता के दिवान न्यूमा | यह विमोधन ्नावपूर की गीन्य असती. इत्यद्भियात गढ कम्युनिवयन रनाव की सोमक गुजन रामवित देहराइन को रिप्ता किए, एक्स्पानी कुर विद्यान

वरि कमा ११ को में १६वीं एतिया देने सांत्रिय नोई बच्चा ११ नई म क्षेत्र हो मित भीवर मुल्लिएकी ने १०वें को मोर्च परिवर देन के बीमा है कटा कि आजवाल के बाजों क्यार्ट हैं। जो उसे व्यक्तित होने का भीवर फिल्म

मनावित्वं को पटक दिए गए दीक्षा संचार्यह 543 III मिली उपापि पांच परशक्ती

धाओं को दिए का कर है के रिवार प्राप्त करने की कोई उच्च नहीं

तागड कम करना जरूरी

सीएसर ने मुख्य अधिय नीति आधीर क उपाध्यक्ष होते हा है। कार ने कहा कि कि किसानी और कृषि के विकास के लिए होती की लागत कम करने की भारत्यकात है रहनके निए प्रायमिक रोती गहने बढिया विकलाहै। वृशिवा के अन्याधिक प्रदोग से अमीन स्टेंग्स हो स्माताकी करिंद उसीक संमान । है तिह वस राज है। मुख्य अनिक्रियरे प्रोप्तानेट और राष्ट्रव मानद उपधिवदान वर्षे गर्द । विकास अस्ति कृति राज्यानी । लाइन निह राजपूत ने सनकार की उपार्शकात जिल्ला । समानेह से कृत अ मेपावियों को कुनावियति एक दिए राष्ट्र विसम्मे के छन्द्र एक और छह आन 新出出版(DHOTE RING # men Baft i

ner for more प्रसाद अंगारी तारवाती है, उनकी स विभिज्ञाति ग्रह्मी है।

पोवां प्रजावियां विकस्तित करेंगी वनगम्पूर विकासे मेल्लिक अवस्थान

विनीता करियार अगरत विश्वविद्यालय

में इक्कानीनिकार के प्रोकेन्स है।

वंशशी कर जेवं तर्थे नहें प्रकारित विक्रमित करन वाहरी है। इनके बीएनवी (अनिस्ते) उद्यान में 8 71 अंशांतीय अगर

Building services of a processed con-कारोकरी है। मा पूरम मुख्यी है।

रिसर्व के क्षेत्र में करेंगे कान उटात के रोकड़े निकासी ब्रजेंग कुमार

distriction on क्षेत्र में आगे जाना पारते हैं। उन्हें क्षाचित्रते स्वर्ध पटक विसार विस लोग यान और the fluid action

े असे एक किएक रिकाम कृतिविधित संस्थापासरी के हिंदा स्थान का स्थान कर होते हैं। अधिकारी क्यान करते हैं।

STOR SELLI क साथ वस है। विश्व मनावेषन

प्रवचन के क्षेत्र में बनाएंगे केरियर पर्यावरण के क्षेत्र में करेंगी काम बीटेक में 8.65 और मिक्टेर लागे वाले

अभियेक निहा इक्टन के संप्रम कैमियर इनाना साम है। उस मत्तरूपा से उन्हर के प्रजनगर के

बहने वाले हैं। उन्हें कुलावियति and you feet 2 (Son old store the witcom 2 and rolls much 2 a

लक्ष्य दिखाता है सकलता की राह आइएएस की वैधारी में जुटी

बेटेक वैकेरिक्स प्रशेशिवरिंग में 76-3(138)310

हरिशत करने वाले चहल प्राथव को कुलावियति week does farm

निए और मा असीमा देवी है। उसक्रवर

वर्ध का कार्यक मं एक कम करना बाजरी है। जिला

विकास के के समाह दिनों की रहने

शानी प्रियक निश्



र्मामा १९३म वस्तुक है। क्रिक्स जिस के क्षेत्रसरी (५५०मा) व्यन्दरी में ॥ ४० STARTE SITE E

एक्टिए एडी विटानेस में स. 48 अधिकी

साग कान उन्तर मित्रमी सोमा शुरता वाधारियक क्षात्रच के पट पर वहन हो हुका है। उनका सपना

SEPPLEMENT है। विश काकृत्रार गुक्ता विद्यार्थ देव BANK & CHIEF AT STREET BUT &



णोक संदेश

ga, 'gang a shind ngang shipa , alam ayan, allan ugang shind - allan shipa, yakyasani a sana pililiya - saninn shilban, alla shilban - alla sanann shilban offense i North generald selfen, generald enne, mennye, when a menumen

अन्यत दुख के राज पुष्टित करना पर रहा है कि और सार की जान कुछा और का अवस्थित किया State 20-03-2021 (to efform a) of our limed mines etter og smet/det me frem 23-03-2021 (se elsmett af styrie

3 बजे से 4 बजे राजानम धर्म महिला, जीशासपुरी, दुसदी संव ५ वाजापुर में सम्बन्ध होता. वंद कामत सुन्ता (दावी) राज्येश जुला व सीड् तुप्ता (पुत्र-पुत्रवधु) इयं समसा गुला परिवार

प्रमोश मुप्ता हमा शहर होता हो 933621070

आजगऊ में टेनरी का निरीक्षण करेंगी सज्वपाल जार्म बाल्यून इत्यासाल आनते केम वटेल मगलका को सुबा ६ जने जहबात अस्ती। पता वा असी Soll at februs uteh abe ner spelfen. within 4 from 600 all fire 9.25 wit 1980. अवस्थार से कन्मीत से रिसर स्थान से जनाती। n series throng an chountering also throng in

the name of from sec is not after some it

कॉलेज एक-एक गांव गांद ले तो खत्म हो निरक्षरता

तनकार पर कुलाविकी अन्तर्वेदन प्रदेश ने करा कि वानकी सक्तरी महत्वान

वीरमध्येतमपु) क रीक्ष समरोत में कहा कि प्रदेश में 50-60 हाउस दिया

द्रांत्रज्ञ है। वर्षेट क्रांत्रज्ञ एक युक्त संब संद से से तो देए में विश्वस्था नहीं

क्षेत्र भगवान म ३० फील्ट चड्चाम नाम्य गरकार विज्ञान करेती ।

तामी। कुछ सक्तीकी क्रांतिक अभी आग है. जिल्लान १३ अन्यनक्रियों को गोद

tions it i specificate it can be not be not be on the or the section.

प्रमुख्याम् में क्षेत्रे वाणे पुरनेकानी काम क्षेत्री। उसी कई विस्वविद्यालया से कई

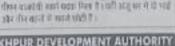
सं प्राट्याम है स्टब्स नहीं हुए उनके अगुनतून प्रतिवर्तन की असता है।

自动, 对对对 ara er-ta fi eit garan antbar mer ubr को एज्यान जन्मेक प्रतासम्बद्धाः को कन्त्रेज में होती। शामाल सुन्त ११ पत्र केलेक्ट्र से पुरतम लग्न आरंग और पुरसा लग्न प्रतरात है केंद्रक करेंग्डे। इसके बाद सुमा एवं सुमंग विकास संद अर विरोधन भी अरेगी।

GORAKHPUR DEVELOPMENT AUTHORITY

INVITING REQUEST FOR PROPOSAL FOR APPOINTMENT OF CONSULTANT FOR PREPARATION OF BUTAILED PROJECT REPORT FOR MIXEB RESIDES TEAL LAND USE PROJECT FOR KHORABAR AWASIYA YOJNA, GORAKHPER

100



00110

रावस एवं करना है। यह करना है बर्वनी के पहल कुमार

कोर्ड और हरदेवें के अधी केन की और पुरस्कार कर

क्षेत्र के विश्व विभावत है। पाल को कुमार्थ प्रति प्रति और वी

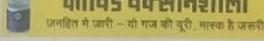
REPARTMENT OF THE PARTY OF WHERE

पिता ने कर्ज लेकर पदावा अव निभाएंगे क्रिम्मेदारी

PROJECT FOR KIRCHARABAR AWASHA YOJNA, CORNALIPON
Considered Development Authority to alone to appoint a considerable
proposation of a Devision Project report for Wood. It adds that I and
not project the Kilcerdae Assumy Woods of Gordales of as positive and
not project the Kilcerdae Assumy Woods of Gordales of a positive conconstitution of the Birth Constitution of the Birth
The immediate builders may not raid that programme affect against the
nord BIPP up as 18.00 (this ho of 5.08-2017 A fee III) Meeting his formanyold on 25-60-2017 is 1 (to 10 section in the internal plant Constitution
internal Birthers are developed by Incomment of the BIPP annual by the Oriolass
internal by the University of the Oriolass of the Constitution
in complement by the University of the Oriolass
for some information of any question plants contact Curef Engineer
(1996-20 1711077), GDA Clarabbras.

Vice Chairman





परन ... मेरी यात 4.6 वर्ष है और मैं अल्बाना का गरीज है क्या नुदर्श कैक्सीन लगवानी साहित? प्रातार हा, सीस (अञ्चल) पर संस्थात की सीमारी से प्रतित्व रोतीयों को जोति है केन्द्रीय ज अति आवाष्ट्रपत्र है। ऐसे मरोज्यों को करिया एक्सप्रोज्य का सामग्र प्याप्ट प्रमाण कर सकति । मेन देवर करना किया है क्षेत्रिन गर्ने समा ने दीने भी जनता ने वर्ग होता रहता है पुन्ने

त्या कराना पार्तिए? पाला - किसकार से 24 पटे में बाद क्या में सूत्रण, चलांतिया असदार का तीन की अस्त र प्रतिषय प्रति काली है तो कुल्ला हिन्दी महिला प्रतास के व

WELL THE SHORE HERE

•

percent to differ the last



00 0





कर की का से प्रतास के में कि के प्रतास के में की के कि के प्रतास के मान के कि के प्रतास के मान के म

अंकित मुप्ता को कुलाधिपति स्वर्ण समेत चार तो शैलमा जायसवान को कुलाधिपति रजत समेत मिले चार मेडल

क्रमार वस्ति संबद्धा

रिकारियालेड (बीराम्प्रेशिक्ट्र) के संधारित साराज्या को पहले हो। माना हो। ३४ शाव-शावाचे को NA PERSONAL PROPERTY AND ADDRESS OF THE PERSONAL PROPERTY AND PERSONAL PROPERTY PROPERTY AND PERSONAL PROPERTY PROPERTY PERSONAL PROPERTY PROPERTY PERSONAL PROPERTY PERSO व तात्र अधिक पुरत को कुरतिकारित जनमं कुरतिकारित त्यात्र, कुरतारित क्या स्थान का महल से स विशासका जीएमार्ग जूनि सी रीत रा सरक्तारा की कुल्सीवर्धन रका streets were state up were flesh. वरा पटक करे से बेटिया बेटो के पुस्तवाने अंगे ल्ही।

districtly it states we out when whence attituding वृत्ते। जा से राज्य ध्वांबत ते गर्गम वंदन प्रानुत की। समस्यत आवरोवन परायु जयमुक्तकाकी शा विकेत गर्म, उच्च विधा सन्त्रमध राजिस वर्रियार व सम्ब प्राप्यत्र के निरंगस मध्यक्षी हो स्थितंत्र ने सेप प्रत्यक्ति किया विकास है कि साम-साम जी में इस दिन की लेकर सामी एको से केवारी बात छाएँ और सम्बाद पाने वाले विकासियों के सहेरे का

प्रमास मान्य विश्वाद है तहीं की। कुल्लीत के जीवन कि ने क्यां नियंत प्रस्तुत और मेदाल पाने करते थे THE 21 RIS W 22 BORN 18 पान आहे के बाकों ने मोनेश पेट किया समा इस बीच पा सीताहर

विकेशी, सुरिष्ठ निवाले, अलग श्री समित्र कार विकासिक व कृतेश अधीरमा प्रा र देशका ३४ प्रशा को मारेग मित्र, वर्षे जुलेश - इंड प्रकार संस्थात में सरिया, वर्ष प्रतीत की आक्षण किही सरिया, वर्ष विशेष चयात् हो. शरीज दिवेशी जादि सीज्दरहे।

प्रकार की कार : नीपनानेशन के लेकबियों वर लोगकर को प्रकार की करना हुई। इस देशन 14 क्षार -कार्यने को 89 प्रकार में सम्मन्ति किया नहां जनका जो सूची नाव किया तो से:

- क्षीत प्रा. कुन्तर्वाचार कर्म, कुन्तिप्रा राम कुन्तर्वाची दास्त कुन्तर्वे स्था राम कन्यान कुन्तर्वाची प्रात कुन्तर्वाची वास्त्र कुन्तर्वी सर्व स्ट्राची
- वर्गी वर्गी कुर्मावर्गि वर्ग्य कृति वर्गी वर्ग है हम दिल्ली कुट स्टब्स स्वर्ग अस्त देश हम दिल्ली कुट स्टब्स स्वर्ग अस्त दिल्ली कुट हमार्थि वर्ग रामान कुर्मावर्गि कुट हमार्थि वर्ग राम क्षेत्र स्वर्गका स्वर्ग राम
- CO 191 HILLS NOT 250 HILL SEE

• महर्त जातान- कुरविष्टाने कारत साहरा इंटर पित नको करत है जातम सुकत

- सर्व पर्छ अनुसर पनि विषयी- दुनर्वदर्श साम्य पुनर्वत पत्री सारा दृश्य प्रदर्श स्था
- व्यापी प्रवान- इत्तरिको शाल.
- ्रसारे सर्वे प्रकार अपन्य कृता पृत्र पुत्रपति सर्वे अपन्य कृत्रपति स्वर्ते सर्वे प्रकारित स्वर्ते सर्वे प्रकार स्वर्ते स्वर्ते सर्वे प्रकार स्वर्ते स्वरते स्वर्ते स्वर्ते स्वरते स्वरते
- कृति वाद्य कुल्लीकी कार्य

बोले डिप्टी सीएम, अगले सत्र से करें पार्टटाइम पीएचडी कार्यात स्थित संसद्धात इनोवेटिव सोच रखें

नीकरी और विश्वनेता के कारण रोहराई. न कर करे का स्थाल अब क्यों होता. इसेनेटिय सोच और कुछ नवा कर इतारे को विम्पत रखने वाले कर्या थे रिएमडी कर संबंदे। बिन इसमें दिए पट टाइन पीएपड़ी सीची शुन करेगा। प्रदेश के उपस्थानमधी की दिनेश कर्म ने संग्रह्मीत्रम् के अपने केशात समाजित्ते में यह बात करते। अनीने विशेष के कुल्बारि की हार्य संब से पर ठाउन रेगपरी मुग अन्ये आस्टिश से र चेतं, प्रेत्यवेशस्य बहात्रपूर्ण विकित्तं ते एक है। यहाँ को प्रशासनिक व्यक्तवा को दुक्तन करने के लिए वह जिल्लों को तदाना दुध्ये विभिन्ने से लोक्स क्या है।

प्रदेश के तथ मुख्यानको वर्ष विवेश वर्षा ने प्रशासिक पदाई की कोई तब नहीं पेरवरी करने कमें त्रकारे तंत्र बहुवेंही से संख्यारे प्रतिकार संघर के उन्तरन के Propositions, tenders आते में बहार्वश्रास्त्र में लागू का संभ की बहारा दिया जन्म। उन्हेंने माध्या

- बीने, प्रशासनिक स्टब्स्क पुरुष्त कार्ने को हटाए गए कई किसे
- तर निवरित करने को गलता पढ़े से विधि कोई में कर कटीतें

नारकारो है। कार, महर्शकारका में है। इसमें पूर्ण दिलत क्रिक को ओड़ने की अनुकार की आएके। दिला दिली से कर अपूर्ण है जाएगी जन हिता है कर्मी जानात जो है, जा खोलों की देखी कुछ होते हैं। अनुद्रश्रीकर्म का तत्त्व नेपानिकों को नेपान है। इसमें गर्माण अवस्थिति की नुस्त हैकते। विश्व स्वापा प्रोत्ता में हिटि, स्वेहरू वेट की, अपूर तरेत करेत 36 किये चित्र को करें भी तैतती है। वर्षक को नकार्यकारित कारते के तिता कि । विकासित में सामाजिता अवस्थित

बात को निर्मापक, जरूरता पहें थी कार कर दें बीओं । वॉ. विलेस तथा ने wat he followides he arrest the ज्ञास्त्र गर्दे से हर प्रमुख्य से में करी है

दीसांत में खारा



form gar present & sept at aniton 4 for or favour form rest

सास्कृतिक मादान में अलग पहचान बनाना है संपन नवीं ने प्रथम कुनविद्यों कार्य नवीर वार प्रथम से जनवित्र होने पार अधिका पुत्र प्राप्त क्षित्र क्ष्मा है अन्य प्रथम करता बहुत है। वीर तर्मी करने के बाद के नवीर से प्राप्त किसी की और अब पूर्ण में ब्रीविक्त अने कर जो है। अधिका के वित्र विक्रम कुनव पूर्ण क्षमीर नीवारी प्रथम है और बाल नेने पूर्ण में

प्रोफेसर बन किसानों के लिए लाउनमें नई तकजीक

रिनाम आवतायान ने हिएनहीं कृषि में १६० ३६ विशासी अंदर आप विभार टीमान हो रिनाम को राज्यापन ने दुर्जीकरीन नक्षा कृष्णियों कर्ण नक्ष तम पदम स सम्मर्जित विभार रिनाम ने स्वाय कि विभार प्रतिसान जायनवार आवेरीकर्ष में र्वकारिकार है और पान कारोग अवस्थान पुरिचति हैं।

गुहस्थी है जिकाला समय और किया टींप

कुर्य के अन्यवाद दिनाय कर नाम है। विकास को पुत्र करों अधि सक्षेत्री किन्यक पुत्रियों है। की विद्व विकास कैन विभाव है। का पहले से सक्ष्मीय अधि विश्व है। का विभाव करन करनी की। इसके निम्न अपेजी जादिना किन्य तम्ब व तामादिन विद्वान से क्या की पहर्द्ध की। जब तम दिनायों में व्यक्तिन क्षेत्र , उनके पठने नामी को नहीं।

ऑसलाङ्क प्रहाई कर प्रहार स्वर्ण प्रदक्त

ईट्सा की न्तर करीं अब्दें नामन को कुन्तरित कर्ता और और क्षेत्र कर्ता के सम्मतित किया का अभावती कि कियानी, करने करने क्षाने ने स्थान कि उनने का कुन्तरी की अध्यक्ति कर्ता कर है। उनकी साथ कि उन क्षित्र के इसे कट्ट की देंगे हैं इसके किए का महिन्द करने करने करने हैं

खुद के तैयार बोट्स से मिला कास्य

हरों है जो करने कार्य उन्होंने देविकर को दूरनाईक्ष्मीत कोन्या उनके हीन क्षण के सम्मानित किन्ता राज्य अनुनेत के जिन्ना देविका हुनके हुनीनिवार में और साथ अनीन होतियों हैं। अनुने ने कार्या कि विश्ववद्यों के किए समायानीए और सुद्धा के द्वारा जिन्ना किए तथ नेहता ही समाने अन्यव्यावत्य अन्य

आर्गी अफसर बन करनी है देशरोव

नपूर्व जानन को हुनाविकारी जानव नमेर मेंन प्रप्त के नम्बनित विकार का है। नपूर्व ने बारक कि विकार उन्तुय जानन विकार करें हैं। उन्तु अपने के प्रश्नित के प्राप्त कर कर्युक्त कुरेंगति है। नपूर्व में कावज कि गतिकार में में कहा है जाने का अबसा क्रिका किसा अने नावन कावजी के अवका अपने नेट्र में में स्थाप करती थी।

चार्टर्ड अकाउटेट अकसर बनने का है सपना

विकास नाम के ताने वाले अनुवार मोत (प्राती को कुमारिकों कामा कुमारी तारों ताने की बावा के अनुवार मोत (प्राती को कुमारिकों कामा कुमारी को (प्राती तिक्का के अने सकता मूर्त (प्राती की कुमारीकों के कामा कि रक्षा के अंतर है। जो कि इस अलाद के दिक्क

हा

桶

đ

आईणास बन पाच को संपन्न करूंनी सावस्

अनेक जार की ताने कुनी परिकार मात्रार्थी को पहार तन आरम कैस्तरी कार्यारी नवारक नार्गा करेंग मिन करता से सम्बर्धित किया गांध अर्थितक करता के मिन में में किया की पहार के बाद राजनीतिक मात्रा की पहार की है। जब से बाद में विश्वीय मुख्या की नेवारी कर मंदि है।

बुकन बॉडी रिसर्च पर करना है कान

कार कर हो। यह कोई कारी पूरण हो दुर्गाविको करने ये दुर्गाको करने पदा से कम्मील दिया गया। उन्हेंने कारत कि बक्ताई से उपाए जिन्स्तृत्व पदाई हो। किन्तु का निर्मा के निर्मा जा है मीकन करों कर यह क्या क्या है। दुर्ग को दुरनेय पता में की तक संजित्त्व हैं।

इंटरनेट से नोट्स तैयार कर किया टॉप

करवानुत जी रहते कर्म मुद्दान क्षात्र ने क्षात्र के क्षेत्र क्षात्र कि क्षात्र के अपने क्षात्र के अध्यक्ति के जी मानवारी के पूर्व के प्रतिकार के अध्यक्ति के जी मानवारी के पूर्व करानद की विकास जीएन क्षात्र किया क्षात्र की का विकास जी की विकास जी करानित की क्षात्र की का विकास जी करानित की व्यक्ति कि व्यक्ति की व्यक्ति क

अर्डटी सेक्टर का बनना है दिलेक्ज

कोरों के पैन्द्र पूर्व की पुलाई कार्ता एक से उन्होंना केन्द्र से हैं है जिस है बचन कि किन्न केने कारण कुछ कर्मी के में दिया है और कार किन्द्र पूर्व पूर्व है। अमें अमेरी मेक्स में विशोधन के कार में आक्रा कर कारण करते हूं।

पीरपदी कर बनना है पोकेसर

course all affect season of the property and upon A commerone is figure france without its not of strong to swipe com-I the see and the plant to be the test are the t



three foreferror is that have all would sit upon as four will be

हर पांच साल में बदल दें पूरा पाठ्यक्रमः राज्यपाल

गल्ही तद्य

1,90,207

कुल क्रिकी

1,72,254

कृती विशे

17,922

that that

31

direct first

काबूर की महा अब के सब्दें स्मादें हैं। उनका अर्थन्यु तीवत पाते को अर्थना नाम अधिक है। at an quicking WITH THE P केल्य पाति। पताः त्रश्रीना प्रकृति से पत्र भी राज में सहित्कृत और पांच बाल की राज करताएक में प्रशेश कैसी प्रश्नीरत उप में उद्योग्यूना पाय कर प्रकल है से दिक्का क्या है। इसके लिए इन क्षेत्र माना विद्यालया हो पूर्व सार अस्ते ह service and the residence बोर्म र १० प्रीपटी पर बटापन जागा । पदानी प्राप्त करने दश्य पर किसानी करें। अन्याद पदार्थ पूर्व पराच केवल । तिस्ती हमी करने के पद पहुंच्छो।

स्वर्थ जन्मका भारती विरुप्त कृष है। अनुस्ता क्षेत्र जातिक संबर्ध है ज्योग करें। देश की अन्यति की क्षित्रको स विदेश के बावान से प्रश्निकी सार से रहाँगत करें।

जातात, यह विश्वत राह्युका व

नके। प्रतेश की अवलादी के लूबी 75 पदाराओं को चितितन कर विकि व श्वाविद्यालय हा सरका एक विस्तो क्षेत्राची तक प्रश्नुवार (गाँका विकास प्रतिवेशिक ही सकती है। उन्हेंनि सबी अविधानको से एक अस्तरकाई चेत्र रोक्षा विकास करने की बाद कड़ी। कहा, विक्री प्रस्त प्रकार से कि १४ वर्ष

तंत्रे में बारकृत के बाई उधीनविंत्रों ने बी वर्षि शिक्षाई है और बोर बार जनकारी कार्य है। वह कार्यक्रम होन्द वर, विवासे में मुख्यानी कार्य आद्रामनाथ को गान प्रशास की। गान समय न होते से बार्यक्रम की स्थित कर part street in form in world

व्यासी हरे हैं



ट्रांस राजी वर्ग करम करेगी गर

द्वापाल सं विकास न्त्री यहा पर मेर एडड पा लिया।



तीं सकत का गरी अधिक सकते को अस्ति एवं रोप श्रीको की समय है स्त्रीत दुवूर्त को



विकास के व्यक्त करता इंग्लिक्ट करता विकास करता







Res

PRICE IS

वन्यविकास इसिन्द्रीक् व

near the pain se their sea or patricular

हाय करित न होता





है कि का उसमें के बंध में अंदरन करिया केंद्रम करती है। दसमें



वैक्सीन की दो डोज और दो महीने बेहद खास

क्षारंग अभी क्षम जो दूज है। देवलीय की एक और सम्में ही समावदी कारने क्षम लिएका जो। देवलीय की दो जोता के कर दो बढ़ा तक वर्गीय जीदेवकर का

द्वार को अपने कर जुद को नुवीस सन्तृत का सकते हैं। का बात संस्थानिक में केला में देशन तमें आ त्यान क्षत्रिक का निर्माद स्वापन की उस्ता क्षत्रिक में केला में देशन तमें आ तम्म क्षत्रिक का निर्माद स्वापन की उस्ता क्षत्रिक में क्षत्र में केला को ते केला के बात की क्षत्रिक उस्ता की को में का का निर्माद की की का का की की निर्माद है को जानकों को में स्वापन में कहा कि की नेत्र

विकास की मुख्ये के ही तथा है जभी उत्तर तो उनने जेंद्र। यात कान नहीं अपन का जीवा का जा क

पद्मश्री को सात साल बाद पीएवडी उपाधि

कार । (दे का पुनार को नियु में दे जिसमें कार में की की की कार । (दे का पुनार को नियु में दे जिसमें कार में कि कियर कोरों में की बीच कियु में के अपने कार का तान है। किया में उसी कियर में की निय

पानी संग हमारी आस्या जुड़ी, आत्मा भी जोड़ें बेटियों जे बाजी गारी तीरांत विरामों भी

बोली राज्यपाल

months offer I speed

रात क प्राप्त राजती अस्था के जुद्दी है treatment and drive बांका हो प्राप्तां पुत्रा करने बांका strings strict affilies therein bredienses (street) in 224 वेश्वरके प्रत्ये कुल्यां वह स्थानके भी भार अर्थित और शहर सीएको सम्मा और स्थापनी कृषि को साम अस्ति संस्ते at proper und sale die fit

force is anywall on Printing it are from भारती है। इसमें बराबरों की सम्बन्ध है। अप के सिरमी को अंतिका किया है or metadli topi economi CONTRACTOR OF STREET किया के जिल्ला अन्य हैंने भी जनावकारी संबंधी अधेना हो 40 100

street, at Arrest story in

खाद्यान्न में हम आस्मिनिसे

वीर अपन के उपन्या ही, शार्मित कुमार वे सेकार नाता व तीक के का सामान के कर्म र अनेतिता है। का विश्वक का में करते हैं। अनेति कड़ीक सेती हैं। के देश हो ना कि हम से मेरे के नोता कर हैं। की नाम कर है। की नाम कर सोडों के क्षित्र सेती ना मानित कर है। इन तथा भी रहते हो हुई उद्यूज को विकास स्त्री है। स्त्री को भी को की किए का तो है। अह दिल्लीका कर में उनकी सुराजित हो रहा है किससे की है। उसकी

पाप पुस्तको का विसोवन

कुन्यको को है है कहा है कि अपने के अपने के कि कि अपने के कि अपने कि अपने के कि अपने कि अपने के कि अपने क ियां को (15 कोला) प्राथितिक के प्रतिकृति के 34) कर करनाते की स्टेश कर है अपने हैं अपने प्रतिकृति हैं ofference or other all males

कुमा को अविद्रोट और बहुत की

कार उसीय से अल्बन क्रिया हैंग

des sens mess all

बच्चों को उपसर

अव बहेबी

the state which are to the state of the stat

CHEST & STOR STATE OF PARTY STATE STATE STATE

sautuletat. Santin firm und er ret en .. -0-0

तरी केल्ला है। नहीं में अपने किए its healt it will all word our mit and end mind days

five lasting on

CHIT A PHEAD OF THE PARTY.

अवस्था है। स्थाप की बन्द आपने हैं। स्थाप की बन्द आपनकार की पान की केपकी भी ना विकास से की सारी कर किपकी सार्थ की

profiles and our lite in

BORN THE WOLDS WITH

CSA AGRICULTURE University convocation Increasing excellence of girl students clear indication of women empowerment: Guv

PIONEER NEWS SERVICE KANPUR

Tttar Pradesh Governor and Chancellor of Chandra Shekhar Azad University of Agriculture and Technology, Anandiben Patel, while delivering the 22nd Convocation address of the university at Kailash Bhawan on Monday, extended her wishes to the successful candidates and advised them to always respect parents and praised the increasing excellence of girl students, saying it was a clear indication of women empowerment.

She said it was true that the emerging trends showed that women were now pursuing higher education in a big way.

The Governor said the day was being celebrated at World Water Day and thus the effort of the students should be to educate oneself and save water which was the most precious commodity. She said education could spread awareness and convince people not to waste this rare commodity.

She said India was a land of agriculture and thus the farm universities had a major role to play in this direction.

She praised the contribution of this oldest agricultural university of Uttar Pradesh and said it was certainly a matter of pride that it had adopted a bio-cultured village, Anuppur, and distributed study material to 25 children of these villages.

She said the onus of creating a spark of education in rural children rested on the shoulders of pass-outs of the universities. She laid emphasis



Governor Anandiben Patel conferring doctorate, Honoris Causa, on Vice Chairman of Neeti Ayog, Dr Rajiv Kumar at the convocation function of CSA University on Monday. Pioneer

on quality farming, especially organic farming. The chancellor advised them to improve the presence of carbon elements in soil and ensure reduction of input cost of farming, saying organic farming was the only solution to this. She said this alone could drastically improve the profit margin of farmers.

She advised the students to now give back the nation what the nation had given to them so that the nation can progress.

Addressing the students, special guest of honour Lakhan Singh Rajput said that currently there were over 576 agriculture

production committees in the state and said the UP government was making more effort to improve it further which would prove to be highly beneficial for small and marginal farmers and help improve their profits.

The Governor then felicitated NITI Aayog Vice Chairman Dr Rajiv Kumar with an honoris causa degree. They then handed over the medals to the outstanding students along with the degrees.

A total of 14 students bagged the Chancellor's gold medals, 14 silver medals and 15 bronze medals. The research students who scored the highest were given books as prizes. h

to

ir

Shailvi Verma and Arpita Soni bagged three medals each. Out of the total 57 medals, 31 were bagged by girls.

Vice Chancellor Prof DR Singh read out the university's annual report.

Other faculty felicitated included Dr Arvind Kumar Singh, Dr Naushad Khan, Dr Digvijay Dubey, Dr Khalil Khan, Dr Manoj Mishra, Dr HG Prakash and Dr SP Sachan.

Books were released by Chancellor Anandiben Patel and NITI Aayog vice chairman.





643 छात्र छात्राओं को प्रदान की गई उपाधियां कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में आज कुलाचिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 22 वें दीक्षांत समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मेधावियों को 57 पदक दिए गए।कुल 643 छात्र छात्राओं को उपाधियां प्रदान की गई। उपाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्राएं झूम उठे। पदक पाने के मामले में इस बार छात्रों को पीछे छोड़ते हुए छात्राओं ने बाजी मारी 54.39 फ़ीसदी छात्राएं और 45.61 फ़ीसदी छात्रों को पदक मिले। राज्यपाल और कुलाचिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार, विशिष्ट अतिथि प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री श्री लाखन सिंह राजपूत और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर डी.आर. सिंह ने मेधावियों को पदक दिए। इस अवसर पर 14 छात्र छात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 14 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 14 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक तथा 15 प्रायोजित स्वर्ण पदक दिए गए। इस दौरान पीएचडी डिग्री धारकों की तस्वीर कुलाधिपति महोदया एवं अतिथियों के साथ ली गई। परास्नातक में सर्वोच्च अंक पाने वाले 17 विद्यार्थियों को पुस्तक पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर एक से अधिक पदक 6 छात्र छात्राओं को मिले। जिसमें शैल्वी वर्मा को तीन पदक, अर्पिता सोनी तीन पदक,प्रियंका सिंह दो पदक, पवन कुमार मौर्य दो पदक, कंचन देवी दो पदक एवं राजशेखर द्विवेदी को दो पदक दिए गए। इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार को कुलाधिपति महोदया द्वारा मानद उपाधि से विभूषित किया गया। राज्यपाल एवं कुलाधिपति महोदय द्वारा इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनूपपुर के प्राथमिक विद्यालय के 25 छात्र-छात्राओं को पुस्तकें, दलिया, पेन, फल एवं बैग आदि भेंट किए गए। इस अवसर पर सर्वप्रथम कुलाधिपति एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सर्व प्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। तथा शिक्षण, शोच एवं प्रसार कार्यों के नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार ने सभी पदक व उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी उन्होंने गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए प्राकृतिक खेती पर बल दिया। तथा कहा कि मुदा में जीवांश कार्बन बढ़ाने तथा कृषि लागत को कम करने के लिए प्राकृतिक खेती एक

एवं सीमांत किसानों की आय बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगे। इस अवसर पर कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने सभी उपाधि धारकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। तथा कहा कि अपने मां-बाप का सम्मान व आदर अवश्य करें इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 57 पदकों में 31 पदक छात्राओं द्वारा प्राप्त किए गए हैं जो महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा के प्रति नारी शक्ति का रुझान तेजी से बढ़ रहा है तथा 15 प्रायोजित रजत पदकों में से 8 पदक छात्राओं द्वारा प्राप्त किए गए हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज विश्व जल दिवस है अतः सभी लोगों को जल संरक्षण के लिए संकल्प लेना है कि हमें पानी को बर्बाद होने से रोकना है। और भविष्य के लिए जल संरक्षित किया जा सके। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पांच पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। जिसमें विश्व विद्यालय वार्षिक प्रतिवेदन, रोजगार परक तकनीकी प्रशिक्षण प्रभाव एवं मूल्यांकन -डॉ अरविंद कुमार सिंह, क्लाइमेट साइंस प्रिंसिपल एंड इट्स एप्लीकेशन ऑन एग्रीकल्चर- डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉ दिग्विजय दुबे,पादप पोषण में जैव उर्वरकों का महत्व -डॉक्टर खलील खान,डॉ मनोज मिश्रा, डॉक्टर एच जी प्रकाश एवं डॉक्टर डीआर सिंह तथा बीज उत्पादन तकनीक -डॉक्टर एस पी सचान, डॉ मनोज मिश्र ,डॉ खलील खान, डॉक्टर एच ज़ी प्रकाश एवं डॉक्टर डीआर सिंह द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉ श्वेता यादव ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ सर्वेंद्र कुमार, सभी अधिष्ठाता गण, निदेशक गण, विभागाध्यक्ष एवं सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे। (डॉक्टर खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।

विकल्प है।जिससे किसानों की आय दोगुनी हो। विशिष्ट अतिथि कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान श्री लाखन सिंह राजपूत ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 576 कृषि उत्पादन संगठन कार्यरत हैं। जिसे और बढ़ाया जा रहा है जो लघ़











🗲 विश्व जान दिवस की पूर्व संध्या पर 'छोटी नदियों के संस्क्षण पर संवाद' का

Home / समत्यार / चंद्रवेखर अज्ञाद वृत्यि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 22वां दीक्षात समारोह आयोगित, नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीय कुमार को मानद उपाधि





चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 22वाँ दीक्षांत समारोह आयोजित, नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार को मानद उपाधि

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आज कुलाचिपति एवं राज्यपाल जानंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 22वाँ दीक्षांत सगारोह आयोजित विध्या गया। इस अवसर पर कुलाचिपति सहित मुख्य अंतिचि नीति आयोग के उपाध्यक्ष हाँ राजीव कुमार, विशिष्ट अंतिचि प्रदेश के कृषि, कृषि विश्वा एवं अनुसंसान राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत और विश्वविद्यालय के कुलपति डाॅक्टर डी.आर. सिंह ने मेध्वविद्यों को पदक दिए।

कुल 643 छात्र छात्राओं को प्रपाधियां प्रदान की गई। यदक पाने के मामले में इस बार लावों को पीछे छोड़ते हुए छात्राओं में बाजी मानी 54.39 फ्रीस्टी छात्राएं और 45.61 फ्रिसटी लावों को पदक मिले। इस अधसर पर को 57 पटक प्रदान किए गए। 14 छात्र छात्राओं को कुलाविपति कार्य पदक, 14 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय राज्य पदक, 14 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक तथा 15 प्रायोजित स्वर्ण पदक दिए गए। परास्त्राक्ष में सर्वोच्य अंक पाने वाले 17 विद्यार्थियों को पुस्तक पुरस्कार दिया गया। इस अधसर पर एक से अधिक पदक 6 छात्र छात्राओं को मिले। जिसमें शेली वर्मों को तीन पटक, अधिता कोची तीन पदक, विश्वक सिंह दो पदक, पत्रन कुमार मौर्य दो पटक, कंपन देपी दो पदक एवं राजनेखर दिनेटी को दो पटक दिए गए।

इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष हाँ राजीय कुमार को कुलायिपति द्वारा मानद उपाधि से विश्ववित किया गया। राज्यपाल एवं कुलायिपति द्वारा इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गीद लिए गए जैव संवर्षित गांव अनुपपूर के द्वाधनिक विद्यालय के 25 छात्र-सामाओं को पुस्तकें, दतिया, पेन, फल एवं बैग आदी मेंट किए गए।



कुलाचिपति एवं अतिचियाँ ने दीय प्रत्यतित कर कार्यक्रम की शुरुआत की।
सर्वप्रथम कुल्यति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। विश्वय एवं प्रसार कार्यों के नवानारों के बारे में विस्तार से जानकारों दी। 22 में दीसान समारोह के अवसर पर राज्यपाल एवं कुलाचिपति आनदी बेन पटेल ने साथ समारोह के अवसर पर राज्यपाल एवं कुलाचिपति आनदी बेन पटेल ने साथ समाने के लिए कड़ी मेहनल की होगी। हो सकता है यह कम पढ़े लिखे हों पर आपको प्रदान का संकल्प उन्होंने जरून लिया होगा। उन्होंने कहा कि साओं से रूपादा पदक साथाओं ने प्राप्त किया। यह महिलाओं का सम्रतिकरण है। लड़कियां आगे वह रही हैं, यहीं लड़के पिस्टड रहे हैं। यह शोध का विश्वय है ऐसा क्यों? उन्होंने इस घर जिल स्थात करते हुए कहा कि इससे समाज में एक असंदुलन आपेगा। लड़कों को भी आगे जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के खादाब में 22 प्रतिशत भागीदारी है उत्तर प्रदेश की। उम्मीद है कृषि के साथ किसलों के लिए न्याधार के माध्यम से महती भूमिका निभाएंगे। शोर देकर उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की कीमत घर नहीं जैविक और गी आधारित खेती करनी होगी।

कुलाधिपति ने विश्व जल दिवस के अवसार घर दूषित जल और बल्हादी घर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत में 20 ऐसे शहर हैं जहां पानी नहीं निनेगा: इसलिए जितनी जरूनत हो उतना इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि पानी के आत्मा जोड़नी चाहिए सिर्फ आस्था नहीं। उन्होंने विश्व विद्यालयों करे पानी के लिए आत्मनिर्धर बनने की सलाह भी दी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि वीति आयोग के उप्पथ्यक्ष डॉ राजीय कुमार ने कहा कि आज आठ हजार करोड़ खाद्याप्त के उत्पादन से हमारा देश निर्यात के द्वार पर खड़ा है। उन्होंने कहा कि 92 प्रतिशत पानी कृषि में इस्तेमाल हो रहा है जबकि हमारे पास सिर्फ 4 प्रतिशत पानी पीने योग्य है। 61 प्रतिशत तक भूएर्थ जल में कमी आई है। हमें शोधना पड़ेगा। शंशायनिक खादों और पानी के आयथिक उपयोग से खेती में लागत बड़ी है। किसे कम करने की आवश्यकता है। तभी किसानों की आय दोगुनी हो पायेगी। इसके लिए प्राकृतिक खेती का विकास अपनान वाहिए।



इस अनसर पर विश्वविद्यालय के गैज्ञानिकों द्वारा तिस्थित पांच पुस्तकों का विमोधन भी किया गया। कार्यक्रम कर संचालन डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉ श्वेता पादव ने संयुक्त कप से किया। इस अवसर पर कुलसधिव डॉ सर्वेद कुमार, सभी अधिक्षाता गण, निदेशक गण, विभागाध्यक्ष एवं सभी संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

जन एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक, लखनऊ

janexpresslive.com

कानपुर/बिल्हौर/उन्नाव/फर्रुखाबाद्र

दीक्षांत समारोहः ५४.३२ फीसदी छात्राओं और ४५.६१ फीसदी छात्रों को मिले पदक

जन एक्सप्रेस/प्रदीप शर्मा

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश भवन) में सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में 22वें दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार, विशिष्ट अतिथि प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपुत और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी. आर. सिंह द्वारा मेधावियों को पदक दिए गए तथा पीएचडी डिग्री धारकों की तस्वीर कुलाधिपति एवं अतिधियों के साथ ली गई। इस अवसर पर कुलाधिपति द्वारा नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. राजीव कुमार को मानद उपाधि से विभूषित किया गया साथ ही



विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनूपपुर के प्राथमिक विद्यालय के 25 छात्र-छात्राओं को पुस्तक, दलिया, पेन, बैग आदि दिए गए।

इस अवसर पर कुलपित द्वारा विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारो की जानकारी दी गई। डॉ. राजीव कुमार ने सभी पदक व उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को शभकामनाएं देते हुए गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए प्राकृतिक खेती पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मिट्टी में जीवांश कार्बन बढ़ाने तथा कृषि लागत को कम करने के लिए प्राकृतिक खेती एक ऐसा विकल्प है जिससे किसानों की आय बढ़ेगी। विशिष्ट अतिथि कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान लाखन सिंह राजपृत ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 576 कृषि उत्पादन संगठन कार्यरत हैं। जिसे और बढ़ाया जा रहा

दीक्षांत समारोह में 57 मेधावियों को मिले पदक तथा 643 छात्र छात्राओं मिली उपाधियां

कुलाधिपति स्वर्ण पदक- 14 छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय रजत पदक- 14 छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय कांस्य पदक-14 छात्र छात्राएं प्रायोजित स्वर्ण पदक-15 छात्र छात्राएं परास्नातक में सर्वोच्च अंक पाने वाले 17 छात्र छात्राओं को पुस्तक पुरस्कार दिया गया।

6 छात्र-छात्राओं को मिले 6 से अधिक पदक

शैल्वी वर्मा- 3 पदक, अर्पिता सोनी- 3 पदक प्रियंका सिंह- 2 पदक पवन कुमार मौर्य- 2 पदक कंचन देवी- 2 पदक राज्य शेखर द्विवेदी- 2 पदक

है जो लघु एवं सीमांत किसानों की आय बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगे। इस अवसर पर कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी उपाधि धारकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अपने मां-बाप का सम्मान व आदर अवश्य करें तथा उन्होंने 57 पदकों में 31 पदक छात्राओं द्वारा प्राप्त करने को महिला सशक्तिकरण का एक उदाहरण

पांच पुस्तकों का हुआ विमोचन

विश्व विद्यालय वार्षिक प्रतिवेदन, रोजगार परक तकनीकी प्रशिक्षण प्रभाव एवं मूल्यांकन- डॉ. अरविंद कुमार सिंह, क्लाइमेट साइंस प्रिंसिपल एंड इट्स एप्लीकेशन ऑन एग्रीकल्चर- डॉक्टर नौशाद खान एवं डॉ. दिग्विजय दुवे पादप पोषण में जैव उवंरकों का महत्व -डॉ. खलील खान, डॉ.मनोज मिश्रा, डॉ.एच.जी. प्रकाश एवं डॉ. डी. आर. सिंह बीज उत्पादन तकनीक- डॉ. एस. पी.सचान, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. खलील खान, डॉ. एच.जी. प्रकाश एवं डॉ. डी. आर. सिंह द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन किया गया।

> बताया। उन्होंने कहा कि आज विश्व जल दिवस है इसलिए सभी लोगों को जल संरक्षण के लिए संकल्प लेना है कि हमे पानी को बर्बाद होने से रोकना है।







K Z



लखनऊ संस्करण

वर्ष-०५, डोक -१४५ मंगलवार, २३ मार्च, २०२१ पृष्ठ १२

मृत्य ३ रू°

manus, alters, patali alte devroge à somble



ार वर्षे तर्ह र

Ent ananar - areca and assist on ask ar ring

दीक्षांत समारोह का राज्यपाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया शुभारम्भ

मास्कर ज्यूज

कानपुर। सीएसए के ऑडिटोरियम हॉल (कैलाश थवन) कुलाधिपति/ राज्यपाल आनंदीवेन परेल की अध्यक्षता में 22 वें दीशांत सम्बरोह का करपंक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मेधावियों को 57 पदक दिए गए कुल 643 छात्र छात्रओं को उपधियां प्रदान की गई। उचाधियां और मेडल पाकर छात्र-छात्रारं सुम उठे। पदक पाने के मामले में इस बार छात्रों को पीछे छोद्रते हुए छात्राओं ने बाजी मारी 54.39 प्रसिद्धी छात्राएं और 45.61 फीसदी छात्रों को पदक मिले। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ रानीय कुमार, विशिष्ट अतिथि प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपुत, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. डी.आर. सिंह ने मेथावियों को पदक दिए। इस अवसर पर 14 छात्र हाजओं को कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 14 सात्र सात्राओं को विश्वविद्यालय रवत पदक, 14 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य पदक तथा 15 प्रायोजित स्वर्ण पदक दिए गए। इस



दौरान पीएचडी डिग्री धारकों की तस्वीर कुलाधिपति एवं अतिथियों के साथ ली गई। परास्नातक में सर्वोध्य अंक पाने वाले 17 विद्यवियों को पुस्तक पुरस्कार दिया गया। इस अवसर पर एक से अधिक पदक 6 ग्रात्र ग्रात्रओं को मिले। जिसमें शैल्बी वर्मा को तीन पदक, अर्थिता खेनी तीन पदक, घ्रियंका सिंह दो पदक, पवन कुमार मीर्य दो पदक, कंचन देखी दो पदक एवं राजशेखर दिवेदी को दो पदक दिए गए। इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार को कुलाधिपति ने मानद उपाधि से किया नया । राज्यपाल/कुलाधियति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनुपपुर के प्राथमिक विद्यालय के 25 छात्र-छात्राओं को पुस्तकें, दलिया, पेन,

फल एवं बैग आदि भेट किए गए। इस अवसर पर सर्वप्रथम कुरवाधिपति एवं अतिथियों ने दीप प्रव्यक्तित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सर्व प्रथम कुरलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आखव प्रस्तुत की। तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार ने सभी पदक व उपाधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी, उन्होंने गुणवत्ता युक्त कृषि उत्पाद के लिए प्रकृतिक खेती पर बल दिया। तथा वहा कि मुद्रा में जीवांश कार्यन बढ़ाने तथा कृषि लागत को कम करने के लिए प्रकृतिक खेती एक विकल्प है। जिससे किसानों की आय दोनुनी हो। विशिष्ट अतिथि कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान औ लाखन सिंह राजपुत ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में



576 कृषि उत्पादन संगठन कार्यरत हैं। जिसे और बदाया जा रहा है जो लपु एवं सीमांत किसानी की आप बदाने में मील का पत्थर खबित होंगे। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी उपाधि धारकों को बधाई एवं शुधकामनाएं दी। तथा कहा कि अपने मां-बाप का सम्मान व आदर अवश्य करें । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 57 पदकों में 31 पदक छात्राओं द्वारा प्राप्त किए गए हैं जो महिला संशक्तिकरण का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि उन्त शिक्षा के प्रति नारो शक्ति का रखान तेजी से बढ़ रहा हैं तथा 15 प्रायोजित रजत पदकों में से 8 पदक राजाओं द्वरा प्राप्त किए गए हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज विश्व जल दिवस है अतः सभी लोगों को जल संरक्षण के लिए संकल्प लेना है कि हमें पानी को वर्बाद होने से

रोकना है। और धविष्य के लिए जल संरक्षित किया जा सके। इस अवसर पर विरुवविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पांच पुरतकों का विमोचन भी किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय प्रतिबदन, दोनगारपरक तकनीकी प्रशिक्षण प्रभाव एवं मूल्यांकन डॉ.अरविंद कुमार सिंह, क्लाइमेट साईस ब्रिसियल एंड इट्स एत्तीकेशन ऑन एप्रीकल्पर डॉ. नोशाद खान एवं डॉ. दिग्विजय दुवे,पादप पोषण में जैव उर्वरकों का महत्व डॉ. खलील खान, डॉ. मनोन मिन्ना, डॉक्टर एच जो प्रकाश एवं डॉ. डीआर सिंह तथा बीन उत्पादन तकतीक डॉ. एस पी सचान, डॉ. मनोज मिश्र, डॉ. खलील खान, डॉ. एन जी प्रकाश एनं डॉ. डीआर सिंह द्वारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।







प्रदेश के हर विश्वविद्यालय को गोद लेना होगा एक आगंनवाड़ी केंद्र : राज्यपाल

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में कुलाधिपति और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि पढ़ाई करने के लिए बहुत मेहनत की जरूरत पड़ती है। समय का पालन करना पड़ता है, आपकी पढ़ाई के पीछे माता. पिता को कभी नहीं भूलना चाहिए। आपको पदाने के लिए उन्होंने मेहनत की है। ऐसे कई अभिभावक होंगे शक्ति होगी,क्शलता होगी लेकिन किसी कारणवश वह पद नहीं पाए। अब उनके मन में अपने बच्चों को पहाने का जज्बा है। 57 पदक में 31 पदक छात्राओं ने किया यह महिला सशक्तिकरण का उदाहरण है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है, लेकिन मेरे

लिए चिंता का विषय है।

राज्यपाल ने कहा,लड़कियों को तो पर का काम भी करना पड़ता है। लड़के तो थाली तक नहीं उठाते हैं। समाज में बराबरी के लिए समानता रहना जरूरी है।चाहे वह लिंग अनुपात हो या फिर पढ़ाई का स्तर। छात्रों को कृषि तकनीक के ऊपर काम करना होगा। ऐसी तकनीक जिससे किसानों को लाभ मिल सके। हमारे देश की महिलाएं आगे आ रही है। महिला सशक्तिकरण को बदावा मिल रहा है। कोई भी महिला समाज को तब तक योगदान नहीं दे सकती,जब तक शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत न हो। लहकियों क्या खाती है, इसकी लिस्ट बनाएं तब पता चलेगा क्या खा रही है। उनको संतुलित भोजन और सेहतमंद आहार लेने की जरूरत है। मंच पर आई एक लीटर पानी की

बोतल लीटाकर की छोटी बोतल की

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिको विश्वविद्यालय के दीक्षा आधारित खेती को बहावा देने की हए राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने प्यूरीफायर,बगीचे,नहाने और कार की लीटाकर छोटी बोतल की मांग की दशाई। और आपने संबोधन में भी इस बात का जिक्र करते हुए जल संरक्षण पर जोर दिया। पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक करते हुए प्राकृतिक और गी



नौकरी करके अनुभव लेना, फिर स्टार्टअप की तैयारी

आगरा निवासी रौल्वी वर्मा ने सीएसए के दीक्षांत समारोह में तीन खर्ण पदक अपने नाम किए हैं। इनके बीएससी कृषि ऑगर्स विषय में ८.४० ओजीपीए अंक पाए हैं। इनके पिता डॉ. एसके वर्मा और मां डॉ.विगीता कटियार पोफेसर हैं। बातचीत में बताया कि यह वर्तमान



में दिल्ली के एक संख्यान से पीजीडीएम की पढ़ाई कर रहीं हैं। यह भविष्य में गौकरी करके कंपनी चलाने का अनुभव लेने के बाद स्टार्टअप करना चाहती है। इनको कुलाधिपति स्वर्ण राद्य साहब गजोधर लाल और अक्षयबर सिंह मेमोरियल स्वर्ण पदक दिया गया हैं।

पैसा जोडकर करूंगी स्टार्टअप बीएससी ऑनर्स कृषि में 8.38 ओनीपीए पाकर

कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाली पारूल पटेल को कुलाधिपति स्वर्ण पदक मिला है। अंबेडकर नगर की रहने वाली पारुल फिलहाल बैंकिंग की तैयारी कर रही हैं। बातचीत में बताया कि नौकरी करके कुछ पैसा जोड़ने के बाद टेक्सटाइल क्षेत्र में खुद का स्टार्टअप करना है। इनके पिता रणविजय वर्मा स्गरकेन



सुपरवाइनर और मां राजकुमारी गृहणी हैं।

पर्यावरण में शोध करने के बाद बनूंगी मंत्री

प्रियंका सिंह जो कि बिहार के औरंगाबाद की रखने वाली हैं। कुलाधिपति स्वर्ण पदक पाने वाली इस छात्रा ने बताया बीएससी ऑनर्स वानिकी में ओजीपीए ८.६९ अंक आए हैं। इनके पिता रामअन्ज सिंह ब्यापारी और मां सीमा सिंह गृहणी है। बातवीत में बताया कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से पीजी की पदाई कर रहीं हूं। मेरा उद्देश्य पर्यावरण से संबंधित किसी विषय में शोध करने के बाद देश में पर्यावरण मंत्री बनना है। मैं सरकार में शामिल होकर देश के फ्यांवरण में अमूलवूल परिवर्तन लाना वाहती हूं।



युनिवर्सिटी खर्य पानी के लिए आत्मनिर्भर बने

दीक्षा समारोह को संबोधित करते है। इसके बावजूद वाटर के साथ आत्मा को जोड़े। कुल 14 मेधावियों को कुलाध्यित पदक दिए,

सीएसए विश्वविद्यालय में छात्रों को मिली उपाधि खिले चेहरे | माता-पिता को कभी मत भूलिए, उनके आशीर्वाद ही सबकुछ है: कुलाधिपति





छत्रपति साहजी महाराज विश्व विद्यालय में आयोजित ३५वें दीक्षांत समारोह में छात्र छात्राओं को पुरस्कृत करती राज्यपाल आनंदी बेन पटेल।

जी महाराज विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय का 35 वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता क्लाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने करी। दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री प्रोफेसर दिनेश शर्मा थे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि हाँ रवि कांत निदेशक एम्स ऋषिकेश एवं उच्च शिक्षा राज्य मंत्री नीलिमा कटियार थी। इस समारोह में परिसर को उपधि प्रदान की गई जिसमें 766 छात्र एवं 721 छात्राएं एवं 31 पीएचडी के शोधार्थी सम्मिलत थे पद्मश्री प्रोफेसर रवि चतुर्वेदी प्रसिद्ध कमेंटेटर को भी इस दीक्षांत समारोह में पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई दीक्षांत समारोह में विभिन्न संकाय के विद्यार्थियों को एक कुलाधिपति स्वर्ण पदक दो रजत पदक एवं 26 कांस्य पदक प्रदान किए गए इसके अतिरिक्त 10 कुलपति स्वर्ण पदक एवं 49 प्रायोजित स्वर्ण पदक भी प्रदान किए गए। इस प्रकार कुल ८८ पदक दीक्षांत

को उपाधि प्रदान की गई इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कलपति प्रोफेसर डीआर सिंह ने कहा कि प्रतिस्पर्धा एवं योगदान की उत्तरजीविता के युग में छत्रपति शाहजी महाराज विश्वविद्यालय पौद्योगिकी के परिमार्जन तीव स्वचालन तथा ज्ञान के सतत विकास के साथ 21वीं सदी में उभर रही के पनपने का अवसर प्रदान कर रहा है कोविड-19 के वर्तमान संकट ने हमें या निश्चित रूप से सिखाया है कि आप निर्भरता के लिए प्रौद्योगिकी आवश्यक है प्रौद्योगिकी के सफल प्रयोग और विद्यार्थी तथा शिक्षकों के ऑनलाइन अध्ययन अध्यापन में प्रवृत्त होने से विश्वविद्यालय में अपने साथ आपदा के समय भी पहुंच बनाने में सफलता प्राप्त की है कार्यक्रम में प्रोफेसर डीआर सिंह द्वारा विश्व विद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तृत की गई जिसमें विश्वविद्यालय की अवस्थापना सुविधाएं अनुसंधान एवं नवाचार एमओय विभागीय कार्य विस्तृत रूप से बताया गया कार्यक्रम समारोह में 952 महाविद्यालयों के के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर रवि कांत परास्नातक के 17359 छात्र-छात्राओं को उनके द्वारा किए गए कठिन देंगे कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए किया।

परिश्रम के लिए उनको बधाई दी और उन्होंने कहा कि यह डिग्री उनके सपनों को परा करने के लिए एकमात्र कदम है अभी उन्हें अपने सपनों को पुरा करने के लिए आगे बहुत मेहनत करनी है इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि श्रीमती नीलिमा कटियार माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री ने करा कि की उपाधि करने वाले समस्त छात्र-छात्राएं अपने अपने क्षेत्रों में सफल रहते हुए राष्ट्र के नवनिर्माण और पूर्ण समृद्धि की प्राप्ति में सफल होकर अपने योगदान के द्वारा राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए अपना उल्लेखनीय योगदान सुनिधित करें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर दिनेश शर्मा माननीय उच्च शिक्षा राज्य मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय से संबंध 11 जनपदों स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालय परिसर में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में डिग्री धारक एवं मैडल धारक छात्र छात्राओं से कहा कि मुझे आशा ही नहीं अपित पूर्ण विश्वास शालाओं एवं संगोष्ठी यों के बारे में है कि सभी छात्र छात्राएं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता के नए विवेक सिंह सचान एवं डॉ प्रवीण कीर्तिमान स्थापित करेंगे एवं देश के कटियार उपस्थित थे कार्यक्रम का स्नातक कि 171361 एवं ने सभी स्नातक हो रहे छात्र-छात्राओं विकास में अपना बहुमूल्य योगदान संचालन प्रोफेसर अंशु यादव ने

माननीय कलाधिपति एवं राज्यपात उत्तर प्रदेश श्री आनंदीवेन पटेल ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के लिए वह गौरवपूर्ण अवसर होता है जहां से विद्यार्थियों के जीवन की व्यवहारिक और वास्तविक यात्रा की शुरुआत होती है छात्र छात्राओं को उपधियां मेहल एवं पुरस्कार प्राप्त होते हैं तथा इसी छड़ से वह अपने नवीन भविष्य की योजनाओं को मूर्त रूप प्रदान करने की दिशा में अग्रसर होते अपने कृतित्व से विश्वविद्यालय की ख्याति को और आगे बढ़ाएंगे इस अवसर पर उनवेंने सभी महाविद्यालयों कलसचिव डॉ अनिल कमार यादव मुकेश रंगा प्रोफेसर मुनीश कुमार डॉक्टर संदीप सिंह डॉक्टर बुजेश कटियार डॉक्टर आरपी सिंह

समारोह में कुलाधिपति और बात कही। इसके साथ ही दीक्षा कहा कि इनोवेशन इंडेक्स में भारत धुलाई में पानी बर्बाद होता है। अक्सर मेधावियों को कुलाधिपति पदक प्रदान जिनमें नी छात्राएं और छह छात्र राज्यपाल आनंदीबेन पटेल का कुलपति ने उनका स्वागत किया और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंच पर समारोह में 31 पदक छात्राओं को 50वें स्थान पर आ गया है,चार छोटी-छोटी चीजों का ध्यान रखना किए गए। समारोह में आगरा की शामिल है।कूल 643 छात्रों को उपाधि हेलीकॉप्टर सोमवार सुबह 10:34 पर फिर मंचासीन कराया। इसके बाद आई एक लीटर पानी की बोतल मिलने पर खुशी के साथ चिंता भी पायदान ऊपर चढ़ गया है। पर्यावरण चाहिए। हमें अगर दो लीटर पानी की शैल्वी वर्मा,बरेली की अर्पिता सीनी, दी गई। 14 मेधावी विश्वविद्यालय सीएसए कृषि विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय के 22वें दीक्षा समारोह को संरक्षित करना होगा, प्राकृतिक जरूरत है तो उतना हो इस्तेमाल करें। बिहार के औरंगाबाद जिले की प्रियंका रजत पदक और 14 कांस्य पदक से हैलीपैड पर उतरा। यहां से उन्होंने की शुरुआत हुई। उनके साथ नीति खेती, गी आधारित खेती को बढ़ावा इसका प्रण लेना होगा। यूनिवर्सिटी सिंह और चंदीली के पवन कुमार मीर्या सम्मानित हुए। 15 प्रायोजित पदक चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर आयोग के उपाध्यक्ष डॉ.राजीव कुमार देने की जरूरत है। हमारे यहां सभी स्वयं पानी के लिए आत्मनिर्भर बने को कुलाधिपति व अन्य प्रायोजित समाजसेवी संस्थाओं और पुरातन छात्रों पहुंचकर पुष्प चक्र अर्पित किया। बतौर मुख्य अतिथि और कृषि तरह से पानी का महत्व बताया जाता और वर्षा जल का संचयन करें। पानी स्वर्ण पदक दिए। समारोह में कुल 14 के नाम से मेधावियों को दिए।

इसके बाद विश्वविद्यालय के रोविंग राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपुत विशिष्ट कार्यक्रम के अनुसार यूपी की कक्ष में प्रवेश किया,कैलाश भवन में अतिथि उपस्थित रहे।

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद व हल्ह्वानी से प्रकाशित

अमृत विचार

वर्ष ३१, अंक ८२, पृष्ठ १२, मूल्य : ३ रूपये

एक सम्पूर्ण अखबार

जीतने की लड़ाई , मुकाबला आज...11

लखनऊ, मंगलवार, २३ मार्च २०२१

www.amritvichar.com

माफिया की तरह काम कर रही भाग

राज्यपाल ने जल संरक्षण करने का दिलाया संकल्प

सीएसए के 22 वें दीक्षांत समारोह का राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया शुभारंभ, पदक पाकर खिल उठे छात्रों के चेहरे

अनुत विचार करनपुर।

सीएसए के ऑडिटोरियम डॉल (कैलाश भवन) में कुलाधिपति/ राज्यपाल आनंदीयेन पटेल की अध्यक्षता में 22 वें दीक्षंत समारोह का कार्यक्रम आयोगित किया गया। इस अयसर पर मेध्ययियों को 57 पदक दिए गए। कुल 643 छात्र छात्रओं को उपाधियां प्रदान की नई। उच्चियां और लेडल पाकर छात्र-छात्रण्ं झुम उठे। पदक चाने के मामले में इस बार छात्रों को पीछे छोड़ते हुए छात्राओं ने बानी मारी 54.39 फ्रीसदी छात्राएं और 45.61 फ्रीसदी सात्रों को पदक मिले।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्य अतिथि नीति आयोग के उपाध्यक्ष डॉ राजीव कुमार, विशिष्ट अतिथि प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान राज्य मंत्री लाखन सिंह राजपूत,

विरविद्यालय के कुलपति डॉ. डी,आर. सिंह ने मेधावियों को पदक दिए। इस अवसर पर 14 रात्र रात्राओं को कुलाधिपति स्वर्ग पदक, 14 छात्र छात्राओं को विश्वविद्यालय रजत पदक, 14 द्यात्र द्यात्राओं को विश्वविद्यालय कांस्य एदक तथा 15 प्रायोजित स्वर्ग पदक दिए गए। इस दौरान पीएचडी डिग्री धारकों की तस्वीर कुलाधिपति एवं अतिबियों के साच ली गई। परास्नातक में सर्वोच्च अंक पाने वाले 17 विद्यार्थियों को पुस्तक पुरस्कार दिया गया। इस अयसर पर एक से अधिक पदक 6 छात्र-छात्रओं को मिले। जिसमें शैल्वी वर्मा को तीन पदक. अर्पिता सोनी तीन पदक, प्रियंका सिंह दो पदक, पवन कुमार मीर्प दो पदक, कंचन देवी दो पदक एवं राजशेखर हिलेदी को दो पटक दिए गए। इस अवसर पर नीति आयोग



दीय प्रज्यातितः कर कार्यक्रम् का शुभरंभ करती राज्यक्रतः अनंदीकेन बटेतः।

के उपध्यक्ष हो राजीय कुमार को कुलाधिपति ने मानद उपधि से विश्वित किया गया। राज्यपाल/ कुलाधिपति ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए जैव संवधित गांव अनुवपुर के प्राथमिक विद्यालय के 25 साध-सावाओं को पुस्तके, दलिया, पेन, फल एवं बैन आदि चेंट किए गए। इस अवसर पर सर्वप्रथम कुलाधिपति एवं अतिथियों ने दीप प्रज्यतित कर कार्यक्रम की मुरुआत की। सर्व प्रथम कुलपति ने विश्वविद्यालय की प्रगति आरूप प्रस्तुत को। तथा शिक्षण, शोध एवं प्रसार कार्यों के नवाचारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

आयोग के उपाध्यक्ष डॉ.राजीव कुमार ने सभी पदक व उपधि प्राप्त छात्र-छात्राओं को सुभकामनाएं दी, उन्होंने गुगवत्ता पुक्त कृषि उत्पाद के लिए प्राकृतिक खेती पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान लाखन सिंह राजपूत ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में 576 कृषि उत्पादन संगठन कार्यला हैं। जिसे और बढ़ाया जा रहा है जो लघु एवं सीमांत किसानों की आय बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगे।

इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने सभी उपाधि धारकों को बपाई एवं शुभकालनाएं दी तथा कहा कि अपने मां-बाप का सम्मान व आदर अवस्य करें। उन्होंने कहा कि 57 पदकों में 31 पदक छात्राओं द्वारा प्राप्त किए गए हैं जो महिला सहावितकरण का उदाहरण है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज विश्व जल दिवस है अतः सभी लोगों को जल संरक्षण के लिए संकल्प लेना है कि हमें पानी को वर्बाद होने से रोकना है। और भविष्य के लिए जल संरक्षित किया जा सके।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित यांच प्रतकों का यिमोचन भी किया वया। जिसमें विश्वविद्यालय प वार्षिक प्रतिवेदन, रोजनारयस्क र तकनीकी प्रशिक्षण प्रधाय एवं व मृत्यांकन डॉ.अरविंद कुमार सिंह, प क्लाइमेट लाईस व्रिंसियल एंड इट्स र एप्लीकेशन ऑन एग्रीकल्पर डॉ. ने नीशाद खान एवं डॉ. दिग्विजय ए दुवे,पादप पोषण में जैव उर्वरकों का प महत्व डॉ. खलील खान,डॉ मनोज 🔻 मिश्रा, डॉक्टर एच जी प्रकाश एवं डॉ. डीआर सिंह तथा बीज उत्पादन - र तकतीक डॉ. एस पी सचान, डॉ. मनोत मिश्र ,डॉ खलील खान, डॉ. एन जो प्रकास एवं डॉ. डोआर सिंह हारा लिखित पुस्तकों का विमोचन भी किया नया।